■ पौष कृष्णा - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 166 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 10-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मैदान में जब 'राम सिया राम' गाना बजता है तो मेरा आत्मविश्वास बढ़ जाता है: केशव महाराज

6 वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है हिन्दी

7 कंगना के पास बिलकिस बानो पर फिल्म के लिए 'स्क्रिप्ट तैयार'

CBC 22201/13/0116/2324

मोदी सरकार की गारंटी

विश्वकर्मा भाई-बहनों के हुनर का सम्मान

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

पीएम विश्वकर्मा के तहत ₹3 लाख तक का बिना गारंटी ऋण, 18 पारंपरिक ट्रेड्स शामिल

फर्स्ट टेक

नीट-पीजी 2024 परीक्षा अब सात जुलाई को होगी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) की तारीख पुनर्निर्धारित की गई है और अब यह इस साल सात जुलाई को होगी। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस वर्ष परीक्षा के वास्ते पात्रता के लिए 'कट-ऑफ' तिथि 15 अगस्त है। पहले यह परीक्षा तीन मार्च को होनी थी। बोर्ड ने एक बयान में कहा, एनबीईएमएस नोटिस, दिनांक 09.11.2023 के अनुरूप और 3 जनवरी, 2024 को एनएमसी पत्र की प्राप्ति के अनुसार, नीट-पीजी 2024 परीक्षा, जिसे पहले 3 मार्च, 2024 को अस्थायी रूप से आयोजित करने के लिए अधिसूचित किया गया था, को पुनर्निर्धारित किया गया है। इसमें कहा गया, नीट-पीजी 2024 अब 7 जुलाई 2024 को आयोजित की जाएगी।

दिव्यांगता संबंधी सभी प्रश्नों के लिए पहली राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू

गोवा/भाषा। दिव्यांगता से संबंधित सभी प्रश्नों के लिए पहली बार एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन सोमवार को शुरू की गई। सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले और दिव्यांग मामलों के सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा 'इंटरनेशनल पर्पल फेस्ट गोवा 2024' के दौरान शुरू की गई हेल्पलाइन का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सहायता सुविधा प्रदान करना है।

पूर्वी भारत में मादक पदार्थों की अब तक की सबसे बड़ी खेप जब्त

गुवाहाटी/भाषा। असम के करीमगंज जिले से मंगलवार को लगभग 100 करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। असम पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के उप महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत ने बताया, बाजार मूल्य के हिसाब से यह पूर्वी भारत में मादक पदार्थों की संभवत: सबसे बड़ी जब्ती है...जो कम से कम 100 करोड़ रुपए का है।

10-01-2024 सूर्यास्त 5:58 बजे	11-01-2024 सूर्योदय 6:34 बजे
BSE 71,386.21 (+30.99)	NSE 21,544.85 (+31.85)
सोना 6,577 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 80,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हसदेव रुदन

रो रहा अरण्य हसदेव आज,
इसके वैभव को नमन करें।
खानाबदोश कर जाति-जीव,
क्यों निज हित खातिर खनन करें।
खतरे में है ओरांव गोंड,
क्यों जीव वृक्ष का दमन करें।
कैसे बच पाए वन-जीवन,
इस पर फिर से अब मनन करें।

दिल लगाकर काम करें और युवाओं के लिए आदर्श बनें कैडेट : जनरल पांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेटों से मंगलवार को कहा कि वह जो कुछ भी करें उसमें अपना दिल और दिमाग लगायें तथा युवाओं के लिए आदर्श बनें।

जनरल पांडे ने आज यहां छावनी में गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया और कैडेटों को संबोधित किया। उन्होंने बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कई पूर्व एनसीसी कैडेट सरकार और सशस्त्र बलों में उच्च पदों पर हैं। उन्होंने कैडेटों को सशस्त्र बलों के अतिरिक्त विभिन्न व्यवसायों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कैडेटों से यह भी आग्रह किया कि वे जो कुछ भी करें उसमें अपना दिल और दिमाग लगाएं और देश के युवाओं के लिए आदर्श बनें। उन्होंने रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण और पुनीत सागर अभियान आदि जैसी सामाजिक सेवा योजनाओं सहित राष्ट्रीय निर्माण गतिविधियों में एनसीसी के महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला।

थल सेना प्रमुख ने एनसीसी के तीनों विंग यानी सेना, नौसेना, वायु सेना से आए कैडेटों द्वारा दिए गए प्रभावशाली 'गार्ड ऑफ ऑनर' की समीक्षा की। इसके पश्चात सिंधिया स्कूल के एनसीसी कैडेटों ने शानदार बैंड का प्रदर्शन किया। बाद में सेना प्रमुख ने एनसीसी कैडेटों द्वारा सामाजिक जागरूकता विषयों और सांस्कृतिक गतिविधियों को दर्शाने वाले 'ध्वज क्षेत्र' का दौरा किया।

राष्ट्रपति ने 39 खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार से किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में विभिन्न श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 39 खिलाड़ियों तथा तीन विश्वविद्यालयों को खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक राष्ट्रीय खेल पुरस्कार से सम्मानित किया।

बैडमिंटन स्टार चिराग शेट्टी और रंकीरेड्डी सात्विक साई राज को खेल रत्न तथा क्रिकेटर मोहम्मद शमी सहित 26 एथलीटों को अर्जुन पुरस्कार सहित कुल 42 पुरस्कार प्रदान किये गये। क्रिकेटर मोहम्मद शमी और पैरा तीरंदाज शीतल देवी तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पुरस्कार लेने पहुंचे। पिछले साल एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 पदक के साथ भारत के शानदार प्रदर्शन की झलक पुरस्कार समारोह में भी दिखी क्योंकि पुरस्कार पाने वाले अधिकतर खिलाड़ी हांगझोउ खेलों के पदक विजेता थे। खेल रत्न विजेताओं को 25 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है जबकि अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार में 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार शामिल है।

सेना मुख्यालय पर हमला मामले में इमरान खान गिरफ्तार

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पिछले साल नौ मई को रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर हुए हमले से जुड़े एक मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी की ये कार्रवाई सिफर (राजनयिक केबल लीक) मामले में उनका रिहाई आदेश जारी होने के तुरंत बाद की गई। रावलपिंडी में एक आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान को मंगलवार को नौ मई की हिंसा संबंधी मामलों में तलब किया था, जो पहले से ही सिफर और भ्रष्टाचार के मामलों में जेल में बंद हैं। खान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत की कार्यवाही में शामिल हुए क्योंकि सुरक्षा चिंताओं के कारण उन्हें अडियाला जेल अधिकारियों द्वारा अदालत में पेश नहीं किया जा सका।

सरकारों, विश्व बैंक के पास 'खजाना' नहीं, निजी क्षेत्र का साथ जरूरी : बंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए निजी क्षेत्र के निवेश पर अड़चनों को हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि न तो सरकारों के पास और नहीं बहुपक्षीय संस्थानों के पास धन का खजाना है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की अगले सप्ताह शुरू हो रही सालाना बैठक से पहले डब्ल्यूईएफ के संस्थापक और कार्यकारी चेयरमैन क्लॉस श्वाब के साथ बातचीत (पोडकास्ट) में बंगा ने कहा कि दुनिया के समक्ष तात्कालिक चुनौतियां गाजा और यूक्रेन में संघर्ष है। साथ ही कई उभरते बाजारों में कर्ज की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

मास्टरकार्ड के पूर्व प्रमुख ने कहा कि दीर्घकाल में प्रमुख चुनौतियां गरीबी और असमानता के साथ-साथ पर्यावरण को लेकर भी है।

विश्व आर्थिक मंच के न्यासी बोर्ड के सदस्य की भी भूमिका निभा रहे बंगा 15 जनवरी से शुरू होने वाले पांच दिवसीय डब्ल्यूईएफ दावोस शिखर सम्मेलन में प्रमुख वैश्विक नेताओं में से एक होंगे।

यह पूछे जाने पर कि असमानता और गरीबी की समस्याओं का समाधान क्या हो सकता है, उन्होंने कहा, ...समस्याओं का हल करने का सबसे अच्छा तरीका चीजों तक बेहतर पहुंच के साथ नौकरी भी है।

प्रधानमंत्री मोदी और यूएई के राष्ट्रपति ने की द्विपक्षीय बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच मंगलवार को यहां द्विपक्षीय बैठक हुई और इस दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। यूएई के राष्ट्रपति वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन (वीजीजीएस) के 10वें संस्करण में मुख्य अतिथि हैं, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में करेंगे।

गुजरात के सूचना विभाग ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर पोस्ट किया, संबंधों को मजबूती देते हुए! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की उपस्थिति में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

चार साल के बच्चे की हत्या के आरोप में 'सीईओ' मां गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ घटना तब सामने आई जब हाउसकीपिंग स्टाफ को उस कमरे में खून के धब्बे मिले, जिसमें सीईओ और उसका बेटा रुके थे

बेंगलूरु। गोवा में 4 साल के बेटे की हत्या के आरोप में बेंगलूरु की एक सीईओ की गिरफ्तारी के बाद सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ है। महिला ने अपने पूर्व पति को अदालत से मुलाक़ात का अधिकार दिए जाने के बाद बच्चे तक पहुंच से वंचित करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया। गोवा पुलिस ने कर्नाटक पुलिस के साथ समन्वय में बेंगलूरु स्थित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्ट-अप कंपनी की 39 वर्षीय सीईओ सूचना सेठ को गोवा के एक सर्विस अपार्टमेंट में अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

सूत्रों ने बताया कि अदालत ने आरोपी को निर्देश दिया था कि वह अपने पूर्व पति को सप्ताह में एक बार रविवार को बच्चे से मिलने की अनुमति दे। महिला का पूर्व पति एक नामी कंपनी में काम करता है। अदालत के फैसले के बाद आरोपी महिला गोवा चली गई थी। उसने कथित तौर पर कैंडोलिम-उत्तरी गोवा में एक सर्विस अपार्टमेंट में अपने बेटे की हत्या कर दी। घटना तब सामने आई जब हाउसकीपिंग स्टाफ को उस कमरे में खून के धब्बे मिले, जिसमें वह रुकी थी।

चेक आउट करने के बाद आरोपी महिला बेंगलूरु जाने के लिए एक बड़ा सूटकेस लेकर निकली थी। जब वह टैक्सी में चढ़ रही थी, होटल के कर्मचारी ने, जिसने उसके बेटे को देखा था, बच्चे के बारे में पूछताछ की। आरोपी महिला ने स्टाफ को बताया कि बेटे को एक रिश्तेदार के यहां भेज दिया गया है और वह होटल से चला गया। हालांकि, जब हाउसकीपिंग स्टाफ ने उसके कमरे में खून के धब्बे देखे तो होटल स्टाफ को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को बुलाया।

होटल से जानकारी मिलने के बाद गोवा पुलिस को टैक्सी ड्राइवर का संपर्क नंबर मिला। पुलिस ने ड्राइवर को राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस स्टेशन को देखने पर उससे रुकने के लिए कहा। तदनुसार, टैक्सी चालक ने इमंगला पुलिस स्टेशन के पास वाहन रोक दिया। गोवा पुलिस ने कर्नाटक पुलिस को घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी थी। पुलिस को बच्चे का शव कार की डिग्गी में सूटकेस के अंदर मिला।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि शव को शवगृह में रखवा दिया गया और आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया गया।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले में

राबड़ी देवी, मीसा भारती और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले में आरोप पत्र दाखिल किया, जिसमें बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनकी सांसद बेटी मीसा भारती, हिमा यादव और अन्य का नाम शामिल है। राउज एवेन्यू न्यायालय ने ईडी को मंगलवार को ही आरोप पत्र और दस्तावेजों की ई-कॉपी भी दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने मामले को आगामी 16 जनवरी को संज्ञान के लिए सूचीबद्ध किया है।

ईडी ने अमित कत्याल और हृदयानंद चौधरी का भी नाम आरोपपत्र में शामिल किया है जो कथित तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव से जुड़े हुए हैं। उन्हें ईडी ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार भी किया था।

मशहूर गायक राशिद खान का निधन

कोलकाता/भाषा। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को अनगिनत श्रोताओं तक अपनी मशहूर आवाज में पहुंचाने वाले संगीत के सरताज उस्ताद राशिद खान का मंगलवार की दोपहर यहां के एक अस्पताल में प्रोस्टेट कैंसर के कारण निधन हो गया।

खान पिछले चार साल से प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित थे और उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह 55 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और एक बेटी है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया, हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन हम असफल रहे।

बांग्लादेश चुनाव : अमेरिका, संरा ने 'निष्पक्षता नहीं' होने की बात कही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत, रूस, चीन तथा एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों ने प्रधानमंत्री के रूप में चौथी बार चुनाव जीतने पर शेख हसीना को बधाई दी। संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और ब्रिटेन ने चुनावों में ''स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं'' होने पर अपनी आपत्ति व्यक्त की।

मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा बहिष्कार किए गए चुनावों में निवर्तमान प्रधानमंत्री हसीना की अवामी लीग (एएल) ने रविवार को 300 सदस्यीय संसद में 223 सीटें जीतीं। बांग्लादेश सरकार ने चुनावों का पर्यवेक्षण करने के लिए भारत और अन्य देशों के साथ-साथ बहुपक्षीय संगठनों से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यवेक्षकों को आमंत्रित किया था।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, अमेरिका अन्य पर्यवेक्षकों के साथ यह बात साझा करना चाहता है कि ये चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे और हमें अफसोस है कि सभी दलों ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। उसने कहा, बांग्लादेश सरकार को हिंसा की खबरों की विश्वसनीय जांच और दोषियों को जवाबदेह ठहराने के लिए उचित कदम उठाना चाहिए। हम सभी राजनीतिक दलों से हिंसा से दूर रहने का आग्रह करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने बांग्लादेश की नवनिर्वाचित सरकार से लोकतंत्र और मानवाधिकारों के प्रति देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि रविवार को मतदान प्रक्रिया के दौरान विपक्षी उम्मीदवारों और समर्थकों की ओर से की गई हिंसा के कारण माहौल खराब हो गया।

टर्क ने कहा, मतदान से पहले के महीनों में हजारों विपक्षी दलों के समर्थकों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया है या धमकाया गया। ऐसी युक्तियां वास्तव में निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए अनुकूल नहीं हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में ''बेहद मश्किलों के बाद'' लोकतंत्र कायम हुआ था और '' ये दिखावटी नहीं बनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर से अब तक लगभग 25,000 विपक्षी दलों के समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दलों के प्रमुख नेता भी शामिल हैं। चूंकि पिछले दो माह हिरासत के दौरान कम से कम 10 विपक्षी दलों के समर्थकों की कथित तौर पर मृत्यु या हत्या के मामले सामने आये हैं, ऐसे में उन्होंने संभावित यातना के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की।

केरल सचिवालय मार्च हिंसा

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को पुलिस ने हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। हाल में राज्य सचिवालय तक मार्च के दौरान हिंसक हमलों का नेतृत्व करने के आरोप में पुलिस ने केरल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल ममकूटथिल को गिरफ्तार किया और मंगलवार को उन्हें यहां लेकर आई। इसके कारण राज्य में कांग्रेस और उसके युवा संगठन के कार्यकर्ताओं ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष के. सुधाकरन तथा राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में राज्य सरकार के 'नव केरल सदास' कार्यक्रम के दौरान युवा कांग्रेस की ओर से विरोध-प्रदर्शन किया गया था, जिसमें उन्होंने उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित अत्याचार का मुद्दा उठाया था। तिरुवनंतपुरम छावनी पुलिस ने मंगलवार तड़के उन्हें पथनमथिट्टा जिले में उनके आवास से हिरासत में लिया। इस बारे में सूचना पाकर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता उनके घर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को वहां से हटा दिया और उनके विरोध के बावजूद ममकूटथिल को तिरुवनंतपुरम ले गई। गिरफ्तारी के समय को लेकर सवाल उठाए गए।

टाटा स्टारबक्स की 2028 तक 1,000 स्टोर खोलने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पेय पदार्थ से जुड़ी कंपनी टाटा स्टारबक्स की 2028 तक 1,000 स्टोर खोलने की योजना है। उसके अभी 390 स्टोर हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, कंपनी की हर तीन दिन में एक नया स्टोर खोलने और दूसरी (टियर-2) और तीसरी (टियर-3) श्रेणी के शहरों में उतरने की योजना है। कंपनी टाटा समूह और वैश्विक कॉफी श्रृंखला स्टारबक्स के बीच एक संयुक्त उद्यम है। दोनों की इसमें समान हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया 2028 तक कुल 1,000 स्टोर खोलने के लक्ष्य के साथ टाटा स्टारबक्स के कर्मचारियों की संख्या दोगुना होकर 8,600 हो जाएगी। यह घोषणा इस सप्ताह स्टारबक्स के मुख्य कार्यकारी लक्ष्मण नरसिम्हन की देश यात्रा के बाद की गई है। उन्होंने कहा था, बढ़ते मध्यम वर्ग के साथ हमें इसकी समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए विकसित हो रही कॉफी संस्कृति को बढ़ाने में मदद करने पर गर्व है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर में 'वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक व्यापार प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10वें वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन की पूर्व-संध्या पर मंगलवार को 'वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक व्यापार प्रदर्शनी-2024' का उद्घाटन किया।

यह वैश्विक प्रदर्शनी गुजरात की राजधानी गांधीनगर में हेलीपैड ग्राउंड प्रदर्शनी केंद्र के कई हॉल में लगाई गई है। इसका कुल क्षेत्रफल करीब दो लाख वर्ग मीटर है।

प्रदर्शनी में कुल 20 देश शिरकत कर रहे हैं। इसकी शुरुआत वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुई है। इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपराह्न तीन बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ प्रदर्शनी में लगे कई स्टाल को देखा। उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी और अन्य अतिथियों का स्वागत करने के लिए स्थानीय कॉलेजों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इसमें शोध क्षेत्र से जुड़े करीब 1,000 स्टॉल लगाए गए हैं। इसमें कुल 13 हॉल हैं जो 'मेक इन गुजरात' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे 13 अलग-अलग विषयों पर केंद्रित हैं। प्रदर्शनी में महिला सशक्तीकरण, एमएसएमई विकास, नई प्रौद्योगिकी, हरित और स्मार्ट बुनियादी ढांचे और टिकाऊ ऊर्जा पर खास ध्यान दिया गया है। प्रदर्शनी बुधवार और बृहस्पतिवार को कारोबारों के लिए खुला रहेगी जबकि आम जनता के लिए यह उसके बाद दो दिन खुलेगी।

इस प्रदर्शनी में ऑस्ट्रेलिया, तंजानिया, मोरक्को, मोजाम्बिक, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, एस्टोनिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन, जर्मनी, नॉर्वे, फिनलैंड, नीदरलैंड, रूस, रवांडा, जापान, इंडोनेशिया और वियतनाम अपने उद्योगों के बारे में जानकारी देंगे।

इसके पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने निवेशक सम्मेलन के आयोजन स्थल 'महात्मा गांधी मंदिर' में मोजाम्बिक, तिमोर एवं तिमोर-लेस्ते के राष्ट्राध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कई वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ भी बैठक की।

मोदी ने विभिन्न कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से की मुलाकात, वाहन विनिर्माण, अन्य मुद्दों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दुनिया की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात 'वाइब्रेंट' गुजरात शिखर सम्मेलन से पहले अर्थव्यवस्था को गति देने तथा रोजगार सृजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के इरादे से हुई है।

दस जनवरी को शुरू हो रहे 'वाइब्रेंट' गुजरात शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले प्रधानमंत्री ने सुजुकी मोटर कॉर्प, माइक्रोन टेक्नोलॉजी और एपी मोलर के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और उद्योग से जुड़े मुद्दों तथा निवेश अवसरों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है, मोदी और सुजुकी मोटर कॉर्प के प्रतिनिधि निदेशक और अध्यक्ष तोशिहीरो सुजुकी ने भारत में विनिर्मित वाहनों का निर्यात करके देश को वैश्विक वाहन बाजार में एक मजबूत इकाई बनाने की मारुति सुजुकी की योजनाओं पर चर्चा की। साथ ही दोनों ने वाहनों को कबाड़ में बदलने और वाहन पुनर्चक्रण से संबंधित वैश्विक स्तर की बेहतर गतिविधियों को लागू करने को लेकर भी बातचीत की। मारुति सुजुकी गुजरात में कार बनाने का दूसरा कारखाना लगाने पर विचार कर रही है। यह कंपनी का देश में पांचवा कारखाना होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा है, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय मेहरोत्रा ने प्रधानमंत्री मोदी से गांधीनगर में मुलाकात की। उन्होंने भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण परिवेश को बढ़ाने के लिए माइक्रोन के प्रयासों पर चर्चा की।

अमेरिकी चिप बनाने वाली प्रमुख कंपनी माइक्रोन ने अहमदाबाद से लगभग 40 किलोमीटर दूर साणंद में 2.75 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर कारखाने का निर्माण शुरू कर दिया है। कारखाने के इस साल दिसंबर तक तैयार होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने डीपी वर्ल्ड के समूह चेयरमैन और सीईओ अहमद बिन सुलायेम से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत में निवेश को आगे बढ़ाने के लिए डीपी वर्ल्ड की योजनाओं पर चर्चा की। विशेष रूप से टिकाऊ, हरित और ऊर्जा दक्ष बंदरगाहों और विश्वस्तरीय पर्यावरण अनुकूल लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे के निर्माण से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई।

वाईएसआरसीपी सरकार चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर कर रही है: चंद्रबाबू नायडू

विजयवाडा/भाषा। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को यहां मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार से मुलाकात की और आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराईं।

नायडू ने कहा कि उन्होंने निर्वाचन आयोग को सभी मुद्दे स्पष्ट रूप से बता दिए हैं। आयोग के सदस्य आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों से पहले राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं। नायडू ने आयोग के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है... राज्य सरकार हमारी पार्टी के ढांचे, हमारे कार्यकर्ता और नेताओं को खत्म कर देना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने फर्जी मतदाताओं को शामिल कर मतदाता सूची में हेरफेर की है। इस दौरान जनसेना प्रमुख पवन कल्याण भी नायडू के साथ मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में तीन नक्सली गिरफ्तार

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के दल पर हमले में कथित तौर पर शामिल तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस नक्सली हमले में एक अधिकारी की मृत्यु हो गई थी तथा एक अन्य जवान घायल हो गया था। पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि तीनों नक्सलियों को रविवार (सात जनवरी) को जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में पांडुमेटा पहाड़ियों से गिरफ्तार किया गया।

उसने बताया कि सुरक्षाबल के जवानों को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था और उस दल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे।

उसने बताया कि ये जवान जब पांडुमेटा पहाड़ियों के करीब थे तब उन्होंने घेराबंदी कर तीन नक्सलियों-- मडकम हांडा (35), मिडियम पोडिया (38) और कोरसा धुरवा (21) को गिरफ्तार कर लिया। तीनों जगरगुंडा क्षेत्र में दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन के सदस्य के रूप में सक्रिय थे।

अधिकारियों ने बताया, गिरफ्तार नक्सली 17 दिसंबर को सीआरपीएफ की 165वीं बटालियन के एक दल पर हुए हमले में शामिल थे। हमले में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी की मौत हो गई थी और एक आरक्षक गोली लगने से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि इस गिरफ्तारी के साथ, घटना से जुड़े चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बिलकीस बानो के मामले को गंभीरता से ले महाराष्ट्र सरकार: पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार से अपील की कि वह बिलकीस बानो के मामले को गंभीरता से ले और इस बात को ध्यान में रखे कि उच्चतम न्यायालय ने इस 'जघन्य अपराध' के बारे में क्या कहा है। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को गुजरात सरकार पर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए 2002 के दंगों के दौरान बिलकीस बानो से सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को सजा में छूट देने के राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया और दोषियों को दो सप्ताह के अंदर जेल भेजने का निर्देश दिया। गुजरात सरकार ने सभी 11 दोषियों को 15 अगस्त 2022 को सजा में छूट दे दी थी और उन्हें रिहा कर दिया था।

गुजरात सरकार को फटकार लगाते हुए शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि उसने दोषियों को सजा में छूट देने के महाराष्ट्र सरकार के अधिकार को 'हड़प' लिया। बिलकीस बानो द्वारा सबूतों के साथ छेड़छाड़ और गवाहों को खतरे में डाले जाने की आशंका जताए जाने के बाद गुजरात उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई अहमदाबाद से मुंबई स्थानांतरित कर दी थी। मामले के 11 दोषी अपनी सजा माफ करने के लिए महाराष्ट्र सरकार से गुहार लगा सकते हैं। पवार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, महिला पर जो कुछ गुजरा है और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या की गई है... उसे देखते हुए मुझे लगता है कि महाराष्ट्र सरकार इस मामले को गंभीरता से लेगी।

'विधायकों की अयोग्यता मामले में फैसले का शिवसेना-भाजपा सरकार पर नहीं पड़ेगा असर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि विधायकों की अयोग्यता मामले में विधानसभा अध्यक्ष का फैसला कुछ भी हो, उसका शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा और सरकार स्थिर रहेगी।

फडणवीस का यह बयान ऐसे समय आया है जब विधानसभा अध्यक्ष बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना के अन्य विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला सुनाने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि गठबंधन सरकार कानूनी रूप से वैध है और उम्मीद है कि विधानसभा अध्यक्ष का फैसला विधायकों को न्याय प्रदान करेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर बुधवार को मुख्यमंत्री शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाएंगे, जिनकी बगावत के कारण जून 2022 में शिवसेना में विभाजन हुआ था। उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाने की समय-सीमा 31 दिसंबर, 2023 तय की थी, लेकिन उससे कुछ दिन पहले 15 दिसंबर को शीर्ष अदालत ने अवधि को 10 दिन बढ़ाकर फैसला सुनाने के लिए 10 जनवरी की नई तारीख तय की। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा, विधानसभा अध्यक्ष उचित और कानूनी रूप से न्यायसंगत फैसला करेंगे। हमारा पक्ष मजबूत है। हमारी सरकार कानूनी तौर पर मजबूत है।

आईटी, अन्य क्षेत्रों में सतर्क भर्ती से दिसंबर में पेशेवरों की नियुक्तियां 16 प्रतिशत घटी: रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। दिसंबर महीने में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बीपीओ, शिक्षा, खुदरा एवं स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों में भर्तियों को लेकर सतर्कता का रुख रहने से साल भर पहले की तुलना में पेशेवरों की नियुक्ति में 16 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया। नौकरियों से संबंधित सूचनाएं देने वाली वेबसाइट नौकरी डॉट कॉम ने नौकरी जॉबस्पीक सूचकांक के विश्लेषण पर आधारित यह रिपोर्ट जारी की। इसके मुताबिक, दिसंबर के महीने में कुछ क्षेत्रों मे भर्तियों को लेकर सतर्कता का रुख देखा गया।

नौकरी डॉट कॉम के मुख्य कारोबार अधिकारी पवन गोयल ने कहा, हमने नवंबर की तुलना में दिसंबर में नियुक्ति गतिविधियों में 2% की मामूली वृद्धि देखी जिसमें गैर-आईटी क्षेत्रों की अहम भूमिका रही। हालांकि, लगातार प्रभावित हो रहे आईटी क्षेत्र की वजह से पिछले साल के मुकाबले कुल भर्तियों में 16% की गिरावट आई है। यह आईटी क्षेत्र में भर्ती गतिविधियों के पूरी तरह सामान्य होने में लगने वाले लंबे समय को दर्शाता है। रिपोर्ट कहती है कि आईटी क्षेत्र में दिसंबर, 2023 के दौरान नियुक्तियों में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 21% की गिरावट देखी गई जबकि नवंबर, 2023 के पिछले महीने की तुलना में 4% की गिरावट रही।

धार्मिक जुलूस पर पथराव के बाद मप्र के शाजापुर के कुछ हिस्सों में धारा 144 लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाजापुर/भाषा। मध्य प्रदेश के शाजापुर शहर में एक धार्मिक जुलूस में शामिल लोगों के साथ कुछ लोगों द्वारा झगड़ा और पथराव किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने तीन इलाकों में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सोमवार शाम मगरिया इलाके में हुई इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया।

उन्होंने बताया कि इलाके में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है और इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

शाजापुर कलेक्टर रिजु बाफना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तीन क्षेत्रों – मगरिया, काछीवाड़ा और लालपुरा में तत्काल प्रभाव से आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि स्थिति फिलहाल शांतिपूर्ण है और उपद्रवियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जुलूस में शामिल मोहित राठौड़ की शिकायत पर दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के अनुसार, जब वे लोग अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले नियमित शाम का जुलूस निकाल रहे थे तब सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे सात-आठ लोगों ने एक मस्जिद के पास नाग-नागिन रोड पर लोगों के एक समूह को रोका। प्राथमिकी में कहा गया है कि व्यक्तियों ने उनसे इलाके से जुलूस नहीं निकालने को कहा और इसके बाद लोगों का एक समूह वहां इकट्ठा हो गया। इसमें कहा गया कि जुलूस में शामिल लोगों के साथ मारपीट की गई और उन पर पथराव किया गया।

थरूर पर टिप्पणी का गलत मतलब निकाला गया, तिरुवनंतपुरम में भाजपा जीतेगी: ओ. राजगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। सांसद शशि थरूर की प्रशंसा करने और निकट भविष्य में केरल की राजधानी से कांग्रेस नेता को हराना मुश्किल होने की बात कहने के कुछ ही घंटे बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता ओ. राजगोपाल ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनके शब्दों का गलत मतलब निकाला गया है।

उन्होंने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल करेगी। तिरुवनंतपुरम से 2014 के लोकसभा चुनाव में थरूर से हारने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री राजगोपाल ने सोमवार शाम यहां एक समारोह में कहा था कि लोगों के मन को प्रभावित करने की कांग्रेस सांसद की क्षमता ही इस निर्वाचन क्षेत्र से उनकी बार-बार जीत का कारण है। उन्होंने एन रामचंद्रन फाउंडेशन पुरस्कार समारोह में कहा था, यही कारण है कि वह (थरूर) तिरुवनंतपुरम से बार-बार जीतने में सक्षम हैं। मुझे संदेह है कि निकट भविष्य में किसी और को (तिरुवनंतपुरम से) जीतने का मौका मिलेगा। थरूर ने अपने भाषण के बाद राजगोपाल के पैर छुए थे और उन्हें गले लगाया था।

हालाँकि, कुछ घंटों के बाद ही भाजपा के वरिष्ठ नेता ने देर रात एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि उनकी टिप्पणियां इस संदर्भ में थीं कि थरूर ने तिरुवनंतपुरम लोकसभा क्षेत्र से एक से अधिक बार जीत हासिल की है।

वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राज्य के पहले भाजपा विधायक बने राजगोपाल ने कहा कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार की क्षमता के साथ-साथ बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में अगर पार्टी कार्यकर्ता और सदस्य कड़ी मेहनत करें, तो राज्य की राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जीतने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में थरूर की लोकसभा क्षेत्र में उपस्थिति केवल नाममात्र की है और इससे उनकी संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने अपने भाषण में जो कहा वह विचारों की एक आलंकारिक अभिव्यक्ति थी और उनका व्यक्तिगत एवं राजनीतिक रुख यह है कि भाजपा इस बार (आगामी लोकसभा चुनाव) तिरुवनंतपुरम से जीतेगी।

आबादी बढ़ने के कारण देश में 2036 तक 6.4 करोड़ अतिरिक्त घरों की जरूरत होगी : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। जनसंख्या में वृद्धि के कारण 2036 तक अतिरिक्त 6.4 करोड़ मकानों की जरूरत होगी। क्रेडाई-लाइसिस फोरास ने एक रिपोर्ट में यह बात कही। क्रेडाई ने वाराणसी में आयोजित न्यू इंडिया समिट में डेटा एनालिटिक कंपनी लाइसिस फोरास के साथ मिलकर यह रिपोर्ट पेश की। संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया, जनसंख्या वृद्धि के कारण 2036 तक भारत में अतिरिक्त 6.4 करोड़ मकानों की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2018 में भारत में 2.9 करोड़ मकानों की कमी थी। क्रेडाई-लाइसिस फोरास ने रिपोर्ट में कहा, इसलिए भारत में 2036 तक कुल अनुमानित आवास मांग 9.3 करोड़ होगी।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि रियल एस्टेट वृद्धि की अगली तेज मांग मझोले और छोटे शहर (दूसरी और तीसरी श्रेणी) क्षेत्रों में होने की उम्मीद है। क्रेडाई के अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, तेजी से बढ़ती भारतीय आबादी और अर्थव्यवस्था के परिणामस्वरूप मकानों की मांग तथा आपूर्ति में तेजी आई है। साथ ही मकान खरीदारों की क्रय क्षमता में भी सुधार हुआ है और वे बड़े मकान खरीदने को इच्छुक हैं। क्रेडाई के चेयरमैन मनोज गौड़ ने कहा, 2023 सभी रियल एस्टेट हितधारकों के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा। हमें उम्मीद है कि यह मांग 2024 और उसके बाद भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मझोले और छोटे शहरों में आवास निर्माण में तेजी आएगी।

तमिलनाडु में परिवहन संघों की हड़ताल के बीच 95 प्रतिशत बसों का संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विभिन्न परिवहन संघों की ओर से आहूत हड़ताल के बीच मंगलवार को तमिलनाडु में लगभग 95 प्रतिशत बसें संचालित की गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हड़ताल का आह्वान करने वालों में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से संबद्ध परिवहन संघ भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा कि चेन्नई, मदुरै, कोयंबटूर और कन्याकुमारी जिलों सहित कई हिस्सों में राज्य सरकार की बसों का संचालन किया गया, जिससे यात्रियों को आवाजाही में सुविधा हुई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चेन्नई में मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) के अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि बसों का सामान्य रूप से संचालन हो और हड़ताल से यात्रियों पर ज्यादा असर न पड़े। एक वरिष्ठ परिवहन अधिकारी ने कहा, एमटीसी की बसों को निर्धारित समयानुसार सुबह छह बजे से संचालित किया जा रहा है और यात्रियों से अनुरोध है कि वे घबराएं नहीं। उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी दिये बिना कहा कि राज्य में लगभग 80 प्रतिशत बसें चलाई जा रही हैं। श्रमिक संघों ने 'छह सूत्रीय मांगों' को पूरा करने की मांग को लेकर इस हड़ताल की घोषणा की थी। इनमें वेतन वृद्धि (15वां वेतन संशोधन समझौता) के लिए बातचीत शुरू करने, रिक्त पदों को भरने और सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए लंबित महंगाई भत्ता जारी करने की मांग शामिल है।

परिवहन मंत्री एस. एस. शिवशंकर ने पहले कहा था कि वित्तीय स्थिति में सुधार होने पर मांगों को उचित समय पर पूरा किया जाएगा। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम से संबद्ध श्रमिक संघ लेबर प्रोग्रेसिव फेडरेशन (एलपीएफ) इस हड़ताल का हिस्सा नहीं है।

हड़ताल में भाग लेने वालों में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक से संबद्ध अन्ना थोझिरसंगा पेरावई (एटीपी) और सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) शामिल हैं। किलंबक्कम टर्मिनस से विभिन्न जिलों और इससे पहले कोयम्बेडु में बस सेवाओं के संचालन का निरीक्षण करने के बाद, परिवहन मंत्री ने कहा कि सभी एसईटीसी बसें अपनी पूरी क्षमता के साथ संचालित की जा रही हैं और कहा कि हड़ताल से राज्य में कहीं भी नियमित सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।

उन्होंने कहा, मौजूदा आर्थिक संकट के दौरान महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी को लागू करना मुश्किल है। स्थिति में सुधार होने पर इसे लागू किया जाएगा।

उन्होंने पिछले अन्नाद्रमुक शासन के दौरान 65 महीने के लिए परिवहन श्रमिकों के महंगाई भत्ते (डीए) को रोकने और उनके वेतन में संशोधन नहीं करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक महासचिव ई के पलानीस्वामी की आलोचना की।

राज्य परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव फणींद्र रेड्डी के अनुसार हड़ताल के पहले दिन राज्य की करीब 94 फीसदी परिवहन सेवाएं बहाल रहीं।

भारत को विकसित करने में प्रत्येक नागरिक का योगदान चाहते हैं प्रधानमंत्री : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को एक महाशक्ति के रूप में विकसित करने में प्रत्येक नागरिक के योगदान को महत्व देते हैं और उसे रेखांकित करते हैं।

गोयल ने मंगलवार को यहां विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पूरा हो, इसके लिए प्रत्येक राज्य को विकसित होना होगा। उन्होंने तमिल संत कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री मोदी इस संत कवि के दर्शन के अनुसार चल रहे हैं और गरीबों और वंचितों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने की नीतियों पर काम कर रही है। गोयल ने कहा कि काशी तमिल संगमम, सौराष्ट्र तमिल संगम विभिन्न राज्यों के लोगों को एक-दूसरे की समृद्ध संस्कृति और विरासत को समझने में मदद करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रमों में शामिल हैं।

गोयल ने कहा कि तमिलनाडु में विकसित भारत संकल्प यात्रा को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से 3.5 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे, जन धन योजना के माध्यम से 1.5 करोड़ लोगों को बैंकिंग प्रणाली के तहत लाया गया है, एक करोड़ से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। इसी हर राज्य में घर जल के तहत पानी का कनेक्शन मिला, आयुष्मान भारत योजना के तहत 51 लाख लोगों का नामांकन हुआ है, जबकि उज्वला योजना से 40 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना, मुद्रा योजना, पीएम ग्राम सड़क योजना, जन औषधि केंद्र सहित 17 योजनाएं प्रधानमंत्री द्वारा दी गई गारंटी के साथ आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग केंद्र सरकार के कल्याण उपाय का हिस्सा बनने के पात्र हैं, उन्हें ये लाभ उनके दरवाजे पर मिलेंगे।

श्री साईं राम इंजीनियरिंग कॉलेज में बीआईएस के साथ संकाय संवेदीकरण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अपने शैक्षिक आउटरीच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने गत 17 नवंबर को साई राम इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन को जारी रखते हुए, भारतीय मानक ब्यूरो, चेन्नई शाखा कार्यालय ने 9 जनवरी को एक संकाय संवेदीकरण का आयोजन श्रीसाईं राम इंजीनियरिंग कॉलेज में किया गया।

इस एमओयू के माध्यम से, बीआईएस का लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्यूरो की तकनीकी समितियों के माध्यम से मानकीकरण गतिविधि में उनकी भागीदारी के माध्यम से मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को शुरू करके शैक्षणिक संस्थानों और उसके संकाय तक मानकीकरण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करना है। शैक्षणिक पाठ्यक्रम में मानकीकरण पर विषयों को शामिल करके, मानकीकरण पर प्रशिक्षण और अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करके, संस्थानों में मानकीकरण के लिए प्रासंगिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए बुनियादी ढांचे का समर्थन विकसित करना आदि।

बीआईएस अधिकारियों की एक टीम जी. भवानी, वैज्ञानिक-ई/निदेशक, प्रमुख चेन्नई शाखा कार्यालय; डी. जीवानंदम; वैज्ञानिक-डी, चेन्नई शाखा कार्यालय; श्रीजीत मोहन जे वैज्ञानिक-डी, चेन्नई शाखा कार्यालय; आशीष तिवारी वैज्ञानिक-डी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (एलआईटीडी); अभिनव कुमार सिंह वैज्ञानिक-बी, प्रयोगशाला नीति और योजना विभाग (एलपीपीडी); साकिब राही वैज्ञानिक-बी, मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग विभाग (एमटीडी), ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और कार्यशाला का संचालन किया।

कार्यशाला में देश में बीआईएस और मानकीकरण पारिस्थितिकी तंत्र के अवलोकन के पहलू शामिल हैं; मानक निर्माण में अनुसंधान परियोजनाओं की भूमिका; बीआईएस आदि की डिजिटल पहल, नरेश राज के - मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ), श्री साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ के पोरकुमारन, प्रिंसिपल, श्री साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ ए राजेंद्र प्रसाद- डीन (छात्र मामले) और लगभग 100 अन्य संकाय कार्यक्रम में साई राम इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई के विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भारत फोर्ज पांच साल में तमिलनाडु में करेगी 1,000 करोड़ रुपये का निवेश

चेन्नई/नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनी भारत फोर्ज ने तमिलनाडु सरकार के साथ राज्य में पांच साल में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी का इरादा राज्य में विनिर्माण पहुंच का विस्तार करने का है। कंपनी ने तमिलनाडु वैश्विक निवेशक बैठक-2024 के तहत राज्य सरकार की 'नोडल एजेंसी गाइडेंस' के साथ एमओयू किया है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा यह एमओयू गैर-बाध्यकारी है और फिलहाल इसका कंपनी के परिचालन पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा।

राज्यपाल रवि ने कुलपतियों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना वापस ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात के कुछ दिनों बाद, राजभवन ने मंगलवार को राज्य संचालित तीन विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के संबंध में अधिसूचना वापस ले ली। अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए उच्चतम न्यायालय के हालिया सुझाव के बाद स्टालिन और राज्यपाल के बीच हुई बैठक के बाद रवि का पहला कदम हालांकि एक शर्त के साथ आया।

राजभवन ने कहा कि उसे पूरा विश्वास है कि राज्य सरकार भी अपनी अधिसूचनाएं वापस ले लेगी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों तथा शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों के फैसलों के अनुरूप उन्हें फिर से जारी करेगी। राज्यपाल द्वारा अधिसूचना वापस लेने के नतीजे के बारे में कोई भी हालांकि अनुमान नहीं लगा सकता है लेकिन यह राजभवन और द्रमुक सरकार के बीच तनावपूर्ण संबंधों में नरमी की संभावना का पहला संकेत है। लंबित विधेयकों, नीतिगत मामलों और कैदियों की समय से पहले रिहाई समेत कई मुद्दों पर राज्य सरकार और राज्यपाल रवि के बीच खींचतान जगजाहिर है। राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में, राज्यपाल ने छह सितंबर, 2023 को तीन अधिसूचनाएं जारी की थीं, जिसमें भारतियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्ति के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए खोजबीन समितियों का गठन किया गया था।

इसी विषय पर राज्य सरकार की राजपत्र (गजट) अधिसूचनाओं का जिक्र करते हुए राजभवन ने यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि ये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुरूप नहीं हैं।

बिलकीस मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले ने भाजपा के दोहरे मापदंड को उजागर किया : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रमुक के नेता एमके स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि बिलकीस बानो मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले ने अंधेरे के बीच आशा की किरण दी है और इसने भाजपा के 'दोहरे मापदंडों' को भी उजागर कर दिया है।

स्टालिन का कहना था कि आखिरकार न्याय की जीत हुई और फैसले ने ढांढस बंधाने का काम किया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उच्चतम न्यायालय का फैसला अंधेरे के बीच आशा की किरण है जो आत्मविश्वास पैदा करने वाला है। स्टालिन के अनुसार, शीर्ष अदालत ने सच्चाई छिपाने और 'दोषियों के साथ मिलीभगत' के लिए गुजरात की भाजपा सरकार से नाराजगी लगाई है तथा यह फैसला राजनीतिक लाभ के लिए कानूनों को तोड़े जाने को भी इंगित करता है। केंद्र की भाजपा सरकार और राज्यपाल के पद का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए स्टालिन ने कहा कि विपक्ष शासित राज्यों में कैदियों की वैध रिहाई में भी 'बाधा' पैदा की गई, जो उनके 'दोहरे मापदंड' को दर्शाता है। उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में 2002 के दंगों के दौरान बिलकीस बानो से सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को सजा में छूट देने के राज्य सरकार के फैसले को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि आदेश 'घिसा पिटा' था और इसे बिना सोचे-समझे पारित किया था। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने दोषियों को दो सप्ताह के अंदर जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश भी दिया।

दक्षिण रेलवे ने माल ढुलाई और यात्री क्षेत्र में बनाया रिकार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों में 29.351 मिलियन टन मूल माल लदान हासिल किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। अप्रैल-दिसंबर 2023 में 2651 करोड़ रुपये की प्रारंभिक माल ढुलाई आय दर्ज की गई। अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान 528 मिलियन मूल यात्रियों की यात्री संख्या के साथ 5254.93 करोड़ रुपये की प्रारंभिक यात्री आय हासिल की गई। ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप दक्षिणी रेलवे यात्री और माल यातायात में उत्तरोत्तर मजबूत वृद्धि का अनुभव कर रहा है। यातायात प्रबंधन के साथ-साथ उत्पन्न कुल राजस्व के संबंध में, ज़ोन ने पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

माल ढुलाई खंड : माल ढुलाई क्षेत्र में निरंतर प्रगति को देखते हुए, चालू वित्त वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों में दक्षिणी रेलवे के माल ढुलाई आंकड़ों में काफी वृद्धि हुई है। ज़ोन ने इस अवधि के दौरान पंजीकृत 29.351 मिलियन टन (एमटी) की प्रारंभिक माल लदान की मात्रा के साथ 2651 करोड़ रुपये की प्रारंभिक माल ढुलाई आय प्राप्त की। अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान पंजीकृत मूल माल लदान 29.351 मिलियन टन पर, पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के संबंधित आंकड़ों से 6 प्रतिशत अधिक हो गया, जो 27.660 मिलियन टन था। दिसंबर 2023 में, दक्षिणी रेलवे ने 3.241 मिलियन टन की प्रारंभिक माल ढुलाई दर्ज की।

माल ढुलाई में वृद्धि को कोयला, लोहा और इस्पात, उर्वरक, लौह अयस्क, सीमेंट, पेट्रोलियम/तेल/स्नेहक (पीओएल), कंटेनर यातायात, खाद्यान्न जैसी वस्तुओं से बढ़ावा मिला है।

यात्री खंड : मुख्य रूप से यात्री-उन्मुख क्षेत्र, दक्षिणी रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 में दिसंबर 2023 तक 528 मिलियन (52.8 करोड़) यात्रियों को ढोया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि (468 मिलियन यात्रियों) की तुलना में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि है। उल्लिखित नौ महीने की अवधि के दौरान, मूल यात्री राजस्व 5254.93 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (4689.46 करोड़ रुपये) की तुलना में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी की तमिलनाडु में 70,800 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

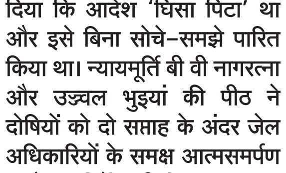

नई दिल्ली। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने तमिलनाडु में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में 70,800 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। टाटा पावर की इकाई टीपीआरईएल ने राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य के विकास का समर्थन करने और देश के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ दो सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी।

एमओयू पर सोमवार को हस्ताक्षर किए गए। पहले एमओयू के तहत टीपीआरईएल अगले पांच से सात साल में सौर, पवन, हाइब्रिड (एक ही जगह पर सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं लगाना) जैसे क्षेत्रों में 10,000 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने के अवसर तलाशेगी। ये नवीकरणीय परियोजनाएं तमिलनाडु में 50,000 एकड़ भूमि पर स्थित होंगी। इनमें करीब 70,000 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता होगी। कंपनी ने कहा कि इस पहल में लगभग 3,000 हरित रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता है। दूसरा एमओयू तिरुनेलवेली जिले के गंगैकोंडन में दो चरणों में चार गीगावॉट सौर सेल और सौर मॉड्यूल संयंत्र स्थापित करने के लिए निवेश प्रतिबद्धता को 3,800 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लिए है। चार जुलाई, 2022 को कंपनी ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें निवेश 3,000 करोड़ रुपये आंका गया था। अब इसे बढ़ाकर 3,800 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है।

सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर स्थानीय अदालत 12 को फैसला सुनाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा धन शोधन के एक मामले में पिछले साल गिरफ्तार किये गये तमिलनाडु सरकार के मंत्री वी सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर एक स्थानीय सत्र अदालत 12 जनवरी को फैसला सुनाएगी। मंगलवार को प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली ने बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आर्यमसुंदरम और प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ए आर एल सुंदरेसन की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद 12 जनवरी के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया।

आर्यमसुंदरम ने कहा कि याचिकाकर्ता 207 दिनों तक कैद में रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच पूरी हो चुकी है और हिरासत में पूछताछ भी समाप्त हो गयी है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, अभियोजन पक्ष द्वारा जिन सभी बयानों और दस्तावेजों पर भरोसा किया गया, वे सभी ईडी के पास हैं, तो उन्हें कैद में रखना सजा देने के बराबर होगा। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता, बालाजी ने यह बताने के लिये अपने मामले को पुख्ता किया है कि इस अदालत के पास यह विश्वास करने के पर्याप्त कारण हैं कि मामले में वह दोषी नहीं हैं, इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए।

उन्होंने कहा कि यह आय से अधिक संपत्ति का मामला नहीं है। उन्होंने कहा, सारी आय बैंक में जमा कर दी गई है और आयकर विभाग ने याचिकाकर्ता द्वारा दाखिल रिटर्न को स्वीकार कर लिया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिवक्ता सुंदरेसन ने कहा कि याचिका में उठाए गए सभी तर्कों पर पहले ही बहस हो चुकी है और इस अदालत ने उसे खारिज करते हुए एक तर्कसंगत आदेश पारित किया है। उन्होंने कहा कि पहली जमानत याचिका शिकायत दर्ज करने से पहले दायर की गई थी और इसे खारिज कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज होने और उसकी एक प्रति आरोपी को देने के बाद दूसरी जमानत अर्जी दायर की गयी, इसे भी गुण-दोष के आधार पर खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इसी आधार पर यह तीसरी जमानत अर्जी है और इसलिए अदालत इस पर विचार नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि विधेय अपराध नौकरियों के बदले नकद लेना और लोगो को धोखा देने का है। उन्होंने कहा कि एक बार जब यह हो गया, तो अपराध की आय को एकत्र करना, उसे छिपाना, उसे रखना और उसका उपयोग करना धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा तीन के तहत आता है। उन्होंने कहा, यदि विधेयात्मक अपराध में दोषसिद्धि होती है तो पीएमएलए के तहत अपराध में भी अंतत: दोषसिद्धि होगी।

उन्होंने कहा, ''रिटर्न फाइल करने से धन वैध नहीं हो जायेगा। आय का कोई स्रोत नहीं है। आय के स्रोत की व्याख्या नहीं की गयी है। याचिकाकर्ता लगातार बिना विभाग के मंत्री बने हुए हैं। इसलिये उनके चरित्र पर भी गौर किया जाना चाहिये। याचिकाकर्ता एवं अन्य ने पिछले साल आयकर अधिकारियों पर हमला किया था। परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिये, वह हर महीने जमानत अर्जी दाखिल नहीं कर सकते हैं।''

पीएमएलए अधिनियम के तहत आरोपी को हिरासत में रहना होता है। अगर सुनवाई तय वक्त में नहीं होती है तो आरोपी की रिहाई पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईडी इस मामले में मुकदमा चलाने के लिए तैयार है।

बालाजी को पिछले साल 14 जून को ईडी ने नौकरी के बादले नकदी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। यह घटनाक्रम उस वक्त हुआ था जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी और वह परिवहन मंत्री थे। गिरफ्तारी के तुरंत बाद एक निजी अस्पताल में उनकी बाइपास सर्जरी हुयी थी। बाद में ईडी ने पूछताछ के लिये उन्हें हिरासत में लिया था, और इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था, जिसे अदालत समय-समय पर बढ़ती आ रही है। बालाजी के खिलाफ जांच एजेंसी ने इस मामले में 12 अगस्त को 3000 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया था। बालाजी की जमानत याचिका की अर्जी को पिछले साल 19 अक्टूबर को मद्रास उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इससे पहले भी दो बार उनकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

युवक ने अपनी 'पत्नी' की ऑनर किलिंग का लगाया आरोप, पुलिस कर रही जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑनर किलिंग के एक संदिग्ध मामले में, तमिलनाडु के तंजावुर जिले के एक व्यक्ति पर अपने कुछ रिश्तेदारों के सहयोग से अपनी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। अनुसूचित जाति आदि द्रविड़ समुदाय के 19 वर्षीय युवक नवीन ने उसी जिले के नीवाबिदुथी के पेरुमल के खिलाफ वट्टाथिकोट्टई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है।

नवीन ने याचिका में कहा कि वह और ऐश्वर्या (19), जो पेरुमल की बेटी है, स्कूल के दिनों से एक-दूसरे से प्यार करते थे और दोनों को तिरुपुर में एक परिधान इकाई में नौकरी मिल गई। उन्होंने एक स्थानीय मंदिर में शादी कर ली। (विवाह अमान्य है क्योंकि नवीन केवल 19 वर्ष का है)। शिकायत में कहा कि शादी के बाद उसने वीरपांडी में किराए का मकान लिया और वहीं रह रहे थे। लेकनि ऐश्वर्या का परिवार, जो एक मध्यवर्ती जाति से है, ने पल्लदम पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जोड़े का पता लगाया और पुलिस स्टेशन में ऐश्वर्या को उसके पिता पेरुमल को सौंप दिया गया। नवीन को बाद में उसके दोस्तों ने बताया कि ऐश्वर्या की उसके पिता ने कुछ रिश्तेदारों के सहयोग से हत्या कर दी थी और चुपचाप शव का अंतिम संस्कार कर दिया था।

पुलिस ने धारा 302 (हत्या) और 201 (लापता करना) के तहत शिकायत दर्ज की और नवीन द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर पेरुमल और उसके रिश्तेदारों की तलाश कर रही थी। पल्लदम पुलिस अधिकारियों ने मीडियाकर्मियों को बताया कि उन्होंने ऐश्वर्या को उसकी इच्छा के अनुसार उसके पिता पेरुमल को सौंप दिया है।

केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के प्रोजेक्ट समयबद्ध रूप से पूरे करें : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयुपर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने निर्देश दिए है की केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं से मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, अस्पताल एवं अन्य निर्माण कार्य जो आरएसआरडीसीसी द्वारा करवाऐं जा रहें है, उन्हे गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूरा करें। उप मुख्यमंत्री मंगलवार को राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड (आरएसआरडीसीसी) कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आमजन से जुडे. इन महत्पूर्ण कामों सहीत अन्य कामों को भी समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें ताकि आमजन को जल्दी से जल्दी सुविधाओं का लाभ मिल सकें।

उन्होंने कहा कि यह विभाग आमजन से सीधे तौर पर जुडा हुआ है। इसलिए हमारे कामों का असर भी दिखना चाहिए। हमारा विभाग जितना अच्छा काम करेगा जनता को सुविधाओं का उतना ही बेहतर लाभ मिलेंगा। उन्होंने अधिकारीयों को निर्देश दिए की पूरे राज्य में सड़कों के ऐसे क्षेत्र जो अनसेफ हो चुके है और दुर्घटना का कारण बन सकतें है उन्हें चिन्हीत कर तत्काल ठीक करवाऐं।

इस दौरान उन्होने आरएसआरडीसीसी कार्यालय में स्थापित केन्द्रीय गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। सम्बधित अधिकारियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता जॉच में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों कि जानकारी उप मुख्यमंत्री को दी एवं उनका अवलोकन करवाया। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा की इस सेन्ट्रल लैब के साथ जिलों एवं निर्माण स्थलों पर स्थापित लैबों का पूरा सदउपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए की हमारी लैब्स अन्य विभागों एवं लोगों के भी काम आ सके और राजस्व उत्पादन का कार्य भी कर सके।

इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया, आरएसआरडीसीसी के एमडी सुधीर माथुर एवं सचिव संजीव माथुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल की कार से टक्कर, दो लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में एक सुरंग के पास एक कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सोमवार रात बूंदी सदर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 की चित्तौड़ पुलिया पर हुआ। स्थानीय थाना प्रभारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रकाश बैरवा (60) और रामलाल बैरवा (42) के रूप में की गयी है। दोनों ही जिले के सियाणा गांव के रहने वाले थे। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार थे और सड़क की गलत दिशा में थे, तभी सामने से आ रही एक कार से उनकी टक्कर हो गई।

थाना प्रभारी के मुताबिक दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी भारद्वाज ने बताया कि पुलिस दोनों पीड़ितों को बूंदी जिला अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए और कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच करवाएंगे : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच करवाएगी और दोषियों को सजा दिलावाएगी। शर्मा ने उदयपुर में विकसित 'भारत संकल्प भारत' के शिविर को संबोधित करते हुए कहा,भ्रष्टाचार को पूर्ववर्ती सरकार ने संरक्षण देने का काम किया था। उसने जो भ्रष्टाचार किये हैं.. या उसके माध्यम से जो भ्रष्टाचार हुए हैं.. हम निश्चित रूप से उनकी जांच करवायेंगे। हमारी सरकार दोषी पाये जाने वाले को सजा दिलायेगी।

उन्होंने कहा , इंदिरा रसोई के नाम पर चल रही धांधली को हमने रोका भी है और उसमें अन्न (मोटा अनाज) को शामिल किया है। पहले थाली में 450 ग्राम अनाज दिया जाता था.. हमने उसी पैसे में 600 ग्राम अनाज देना शुरू किया है। उन्होंने कहा, हमारी पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने अन्नपूर्णा रसोई शुरू की थी। हमारी पिछली सरकार ने आमजन को राहत देने के लिये अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर अन्नपूर्णा रसोई लगाई थी। हमारी वह योजना ऐतिहासिक थी जिसका कांग्रेस ने नाम बदलकर इंदिरा रसोई कर दिया।

पेपर लीक मामले में उन्होंने कहा , हमने युवाओं से वादा किया था कि हमारी सरकार आएगी तो युवाओं से धोखा करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। हमने पेपर लीक मामले में विशेष जांच दल का गठन किया है। उसके बाद पेपर लीक से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। उन्होंने कहा,हम आपको यह भी विश्वास दिलाना चाहते हैं कि ऐसे लोगों को हमारी सरकार किसी तरह नहीं बख्शेगी, क्योंकि उन्होंने युवाओं के साथ धोखा किया है। शर्मा ने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में पहली प्रतियोगी परीक्षा पेपर दो दिन पहले हुई जिसमें कोई दिक्कत नहीं आई और यह शांतिपूर्ण वातावरण में बहुत अच्छी तरीके से हुआ है।

संसद टीवी की तरह राजस्थान विस का भी बनेगा टीवी चैनल : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा की गतिविधियों की जानकारी आमजन को तुरन्त मिल सके, इसके लिये संसद टीवी की तरह राजस्थान विधानसभा का भी टीवी चैनल और वॉटसअप चैनल बनाया जायेगा। देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा को पेपरलेस बनाये जाने के लिये विधानसभा के सूचना तकनीक से जुडे अधिकारियों की एक बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि विधानसभा में शीघ्र ही हेल्प डेस्क की स्थापना होगी, जो राजस्थान के प्रत्येक विधायक को पेपरलेस प्रक्रिया का प्रशिक्षण देगी। उन्होंने कहा कि आज के जमाने में डिजिटल सुरक्षा आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान विधानसभा को साइबर खतरों से बचाने के लिए सभी सुरक्षात्मक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा में टेक्नीकल और डिजिटल अपग्रेड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाये। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा को आमजन से जोड़ने के लिये अद्यतन सूचना तकनीक का उपयोग किया जायेगा। राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली को पेपरलेस बनाया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आईटी एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्य करें ताकि साइबर खतरों से विधानसभा सुरक्षित रह सके।

देवनानी ने कहा कि आज का जमाना आमजन तक जल्द से जल्द सूचना पहुंचाने का है। उन्होंने कहा कि विधानसभा की सोशल मीडिया की सभी एप्लीकेशन्स को तुरन्त अपग्रेड करें, सूचनाओं को अपडेट रखें। विधानसभा के यूटयूब चैनल को अधिक प्रभावी बनाने के लिये नयी सोच और अद्धतन सूचना तकनीक के साथ कार्य करने के लिए भी निर्देश दिये।

बैठक में विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, नेशनल इन्फोर्मेटिकस सेन्टर के राजस्थान प्रभारी जितेन्द्र वर्मा, केन्द्र के विधानसभा में प्रभारी सोहन लाल कुमावत, प्रमुख शोध एवं सन्दर्भ अधिकारी विनोद मिश्रा सहित विधानसभा की सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से जुडे. अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

कड़ाके की सर्दी के बीच अनेक इलाकों में बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच बीते चौबीस घंटे में अनेक इलाकों में बारिश हुई। राज्य के कई हिस्सों में घने कोहरे व शीत लहर का दौर भी जारी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य के कोटा में 22 मिलीमीटर, लाडपुरा में 14 मिमी., बारां में आठ मिमी. बारिश हुई। इसके अलावा चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, दौसा, करौली व बारां में भी कई जगह बारिश हुई। इस दौरान राज्य में कई जगह घना कोहरा छाया रहा। कुछ स्थानों पर शीत लहर दर्ज की गई।

प्रदेश में न्यूनतम तापमान जैसलमेर में 7.0 डिग्री, सीकर में 7.2 डिग्री, बाड़मेर में बीकानेर में 7.7 डिग्री व पिलानी में 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मंगलवार को राज्य में कई जगह बारिश व ओलावृष्टि का अनुमान व्यक्त किया है।

बस के अंदर परिचालक ने विवाहिता के साथ दुष्कर्म किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भरतपुर के बयाना थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने लोक परिवहन की एक बस के परिचालक के खिलाफ बस में उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने का मामला दर्ज करवाया है। बयाना सर्किल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश किलानिया ने बताया कि 25 वर्षीय पीड़िता ने मंगलवार सुबह बस परिचालक जितेन्द्र सिंह गुर्जर (32) के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया। उन्होंने बताया कि दर्ज शिकायत के आधार पर बस परिचालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और बस को जब्त कर लिया गया है।

किलानिया ने बताया कि पीडिता का मेडिकल परीक्षण करवा कर उसके बयान दर्ज कर लिये गये हैं तथा आरोपी परिचालक को बुधवार को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की जायेगी। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला सोमवार शाम को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा से भरतपुर जाने के लिए लोक परिवहन की एक बस में सवार हुई थी तथा इस बस के बयाना पहुंचने पर रात में परिचालक ने उसके साथ ही दुष्कर्म किया।

केन्द्र सरकार के मिशन 'सहकार से समृद्धि' को धरातल पर उतारा जाएगा : गोतम कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गोतम कुमार ने मंगलवार को शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन स्थित अपने कक्ष में पूजा अर्चना के बाद विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। सहकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता मेघराज सिंह रतनू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सहकारिता मंत्री का स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित परिजनों एवं विभागीय अधिकारियों ने उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की बधाई दी।

कार्यभार संभालने के पश्चात गोतम कुमार ने सहकारिता विभाग में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मिशन सहकार से समृद्धि को राज्य में धरातल पर उतारा जाएगा। इसके तहत किए जा रहे 17 नवाचारों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य के अनुरूप नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा। कुमार ने वीसी से जुड़े अधिकारियों को संबोधित करते हुएए कहा कि सहकारिता विभाग का दायरा विस्तृत है और किसी न किसी रूप में राज्य की एक तिहाई आबादी इससे जुड़ी हुई है। अधिकारी सकारात्मक ऊर्जा के साथ एक सबके लिए सब एक के लिए की भावना के साथ कार्य करें। सहकारिता जिस भाव के साथ निर्मित हुई है उससे भटके नही और मूल भाव को बनाए रखे, इसी सोच के साथ कार्य को अंजाम दे।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि जनता में सहकारिता के प्रति नकारात्मक भाव उत्पन्न नही हो और गलत भ्रातियों को पैदा नही होने दे। उन्होंने कहा कि समय के साथ चलने की प्रवृति पर जोर दे और नवाचारों को बढावा दे। समय पर शिकायतों का निस्तारण करे और नए सदस्यों को सहकारिता से जोड़े। इससे पहले अतिरिक्त मुख्य सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने विभागीय पद्धति से रूबरू कराया एवं रजिस्ट्रार सहकारिता ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से विभागीय कार्यों के बारे में अवगत कराया।

कृषकों की आय को दोगुना करना ही हमारा लक्ष्य : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंगलवार को पंत कृषि भवन में कृषि एंव उद्यानिकी विभाग, बीज प्रमाणीकरण संस्था और राजस्थान राज्य बीज निगम की बैठक ली। डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही केन्द्र प्रवर्तित योजनाऐं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विस्तार व तकनीकी मिशन, राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय परम्परागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन और पीएम-कुसुम योजना कम्पोनेन्ट 'बी' के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से फार्म पौण्ड़, सिंचाई पाईप लाईन, डिग्गी, बीज उत्पादन एवं मिनिकिट वितरण, मिलेट्स प्रोत्साहन और तारबंदी सम्बन्धी प्रमुख गतिविधियों की भी जानकारी ली।

कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री ने जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग में नवीन जिलों के गठबंधन उपरांत अभियांत्रिकी संवर्ग के पदों के पुनर्गठन का अनुमोदन किया। अनुमोदन पश्चात अतिरिक्त मुख्य अभियंता/अतिरिक्त निदेशक के 20 अधीक्षण अभियंता/संयुक्त निदेशक के 57, अधिशाषी अभियंता/उप निदेशक के 190 और सहायक अभियंता के 581 पद होगें।

कृषि मंत्री ने बताया कि संकल्प पत्र में तैयार 100 दिवसीय कार्य योजनाओं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 1 हजार करोड़ रूपये फसल के नुकसान का आंकलन एवं राहत राशि का वितरण किया जायेगा, 500 कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना, पीएम कुसुम योजना के अन्तर्गत प्रदेश में मौजूद ट्यूब वैलों का सौर ऊर्जा द्वारा संचालन सुनिश्चित करने के लिए 5 हजार सोलर पम्प स्थापित किये जायेंगे, 27 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रिप एवं मिनि स्प्रिकंलर व 54 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में स्प्रिकंलर लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के कार्यो की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यो को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से सम्पन्न करें। डॉ मीणा ने निर्देशित किया कि कृषकों की आय को दोगुनी करने के लिए कृषि के क्षेत्र में नवाचारों को अपनाया जाए जिससे उनकी पैदावार में बढ़ोतरी होगी और फसलों का उचित मूल्य दिलवाया जायेगा, जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

परम्परागत खेती के स्थान पर जैविक खेती पर जोर दिया जायेगा। इसके लिए विशेष कैम्प लगाकर कृषकों को जागरूक किया जायेगा। मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मिलेट्स उत्पादों का उत्पादन व विपणन पर जोर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को सुनने व समझने के लिए जल्द ही किसान यूनियनों की मिटिंग बुलाई जायेगी।

जल जीवन मिशन में राजस्थान को लाएंगे ऊपरी पायदान पर : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने मंगलवार को जल भवन में आयोजित विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि जल जीवन मिशन में जो चुनौतियां हैं उन्हें स्वीकार करते हुए राजस्थान को जेजेएम में ऊपरी पायदान पर लाया जाएगा और प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक जल कनेक्शन पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी के कारणों का पता लगाकर उनका हल निकाला जाएगा एवं जेजेएम की गति बढ़ाई जाएगी।

जलदाय मंत्री ने वर्तमान में प्रगतिरत परियोजनाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए क्वालिटी कंट्रोल विंग को फील्ड में जाकर फिजीकल वेरीफिकेशन करने, सैम्पल एकत्र करने एवं गुणवत्ता खराब होने की शिकायत मिलने पर कडी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी को एकजुट होकर टीम भावना के साथ कार्य करते हुए तय लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए। जलदाय मंत्री ने पहले से स्वीकृत हैण्डपंप एवं ट्यूबवैल को फंक्शनल बनाने एवं जिन ट्यूबवैल में बिजली कनेक्शन नहीं है वहां प्राथमिकता से बिजली कनेक्शन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना छोटी हो या बड़ी मौके पर कार्य अच्छा एवं गुणवत्तापूर्ण हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। इससे पहले जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने जलदाय मंत्री को विभाग में विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों एवं वित्तीय स्थिति के बारे में अवगत कराया।

'राहुल गांधी की यात्रा से आमजन को जुड़ने का मिलेगा मौका'

दौसा। कांग्रेस के महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 14 जनवरी से शुरू होने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा से देश के हालात को देखने और समझने तथा आमजन के जुड़ने का मौका मिलेगा। पायलट ने मंगलवार को दौसा में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राहुल गांधी 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर रहे है। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होगी। इससे आमजन को जुड़ने का मौका मिलेगा। मणिपुर वो क्षेत्र है जहां केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ध्यान नहीं दे रहे है। लंबे समय से वहां अत्याचार हो रहा है और लोग परेशान है।

उन्होंने कहा कि इस माहौल में राहुल गांधी वहां से यात्रा शुरू कर रहे है । हम सब लोग इस यात्रा में जायेंगे और यात्रा का शुभारंभ करेंगे। इस यात्रा से देश के अंदर जो हकीकत उसको देखने का समझने का और लोगों की बात सुनकर न्याय दिलाने की मुहिम राहुल गांधी ने शुरू की है उसको पूरा करेंगे । पायलट ने कहा अभी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने कुछ बदलाव किए है मेरे को भी एक प्रदेश की जिम्मेदारी दी है वहां हम पूरी मेहनत से काम करेंगे । हम तीनों राज्यों में चाहे चुनाव हार गए हो लेकिन हमारा वोट प्रतिशत घटा नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हनुमान एवं राम लला के दर्शन कर लोक कल्याण की कामना की

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या में हनुमान गढ़ी और राम लला के दर्शन-पूजन कर लोक कल्याण की कामना की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि नए साल में मंगलवार को रामनगरी की पहली यात्रा पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला एवं हनुमानगढ़ी के दर्शन-पूजन किए। योगी आदित्यनाथ सबसे पहले हनुमानगढ़ी गए एवं वहां दर्शन-पूजन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री रामलला के दरबार में गए और वहां शीश नवाया।

मुख्यमंत्री ने यहां प्रदेशवासियों के सुखी-स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। इसके पहले मुख्यमंत्री ने 29 दिसंबर को यहां पूजा-अर्चना किया था। नए साल में योगी आदित्यनाथ ने रामनगरी की यात्रा के दौरान विकास से जुड़ी योजनाओं-परियोजनाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने राममंदिर से जुड़े कार्यों का अवलोकन भी किया।

गिफ्ट सिटी आने वाले वर्षों में शीर्ष वैश्विक वित्तीय केंद्रों में से एक होगी : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) सिटी आने वाले वर्षों में दुनिया के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक बनने के लिए तैयार है।

वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के 10वें संस्करण से पहले 'पीटीआई-भाषा' को 'ई-मेल' के जरिए दिए एक साक्षात्कार में पटेल ने कहा कि गांधीनगर में स्थित गिफ्ट सिटी में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है, जिसके बाद कुल भूमि क्षेत्र करीब 3,400 एकड़ तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी के किनारे रिवरफ्रंट को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खुदरा और मनोरंजन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। गिफ्ट सिटी के लिए मेट्रो सेवाएं 2024 मध्य तक शुरू हो जाएंगी। पटेल ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि गिफ्ट सिटी आने वाले वर्षों में दुनिया के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक बनने को तैयार है। पटेल ने कहा कि गिफ्ट सिटी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण भारत और पूरी दुनिया को सेवाएं प्रदान करने के लिए एक विश्व स्तरीय वित्तीय, आईटी व आईटीईएस तथा फिनटेक हब बनाना है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए राज्य सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन (वीजीजीएस) 2024 के तहत अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय रोड शो के हिस्से के रूप में अग्रणी वैश्विक व राष्ट्रीय वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के साथ कई बैठकें की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन चर्चाओं में संयुक्त अरब अमीरात, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और अमेरिका जैसे देशों की अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने गिफ्ट-आईएफएससी में निवेश के अवसर तलाशने में अपनी रुचि व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने गिफ्ट-आईएफएससी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में 580 परिचालन संस्थाएं हैं।

गिफ्ट-आईएफएससी में पहले से ही बड़े पैमाने पर उल्लेखनीय निवेश आ रहा है, जिनमें गूगल, बैंक ऑफ अमेरिका, मॉर्गन स्टेनली जैसे वैश्विक नाम शामिल हैं।

प्रतिदिन 3 लाख लोगों के आने की उम्मीद, वैश्विक उदाहरणों का अध्ययन कर पुनर्विकसित की जा रही अयोध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आने वाले वर्षों में प्रतिदिन तीन लाख से अधिक लोगों के अयोध्या आने की उम्मीद है और मंदिर शहर की योजना वेटिकन सिटी, कंबोडिया, यरूशलम सहित विदेश में इसी तरह के उदाहरणों तथा भारत के तिरुपति और अमृतसर जैसे स्थानों का अध्ययन करने के बाद बनाई गई है। यह बात इस परियोजना के प्रमुख योजनाकार दीक्षु कुकरेजा ने कही।

कुशल भूमि उपयोग, न्यूनतम भीड़, धर्मशालाओं और 'होमस्टे' पर ध्यान, शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक चरित्र को बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे को उन्नत करना, सीपी कुकरेजा आर्किटेक्ट्स के प्रबंधन प्रमुख कुकरेजा द्वारा तैयार की गई योजना के कुछ मुख्य आकर्षण हैं।

कुकरेजा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, अयोध्या के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, विरासत संपत्तियों और घटनाओं पर ध्यान देने के साथ एक वैश्विक पर्यटन स्थल बनने की उम्मीद है, क्योंकि आतिथ्य और संबद्ध उद्योगों में महत्वपूर्ण मांग के साथ शहर में कई गुना प्रगति होने की संभावना है। उन्होंने कहा, इस शहर को पर्यटन, आर्थिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए एक मेगा केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। अगले तीन-चार वर्षों के भीतर प्रतिदिन तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या आने की उम्मीद है।

ईडी ने 'भू-माफिया' के खिलाफ धन शोधन मामले में बुलंदशहर के कई स्थानों पर छापेमारी की

लखनऊ/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भू माफिया सुधीर कुमार गोयल और उसके सहयोगियों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत मंगलवार को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर शहर में कई स्थानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी ने इस साल जनवरी में गोयल और उसके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी अभियान चलाया है। सूत्रों ने बताया कि बुलंदशहर और आसपास के इलाकों में करीब 10 परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

गोयल, उसकी पत्नी और तीन कथित सहयोगी फिलहाल जेल में बंद हैं। बुलंदशहर पुलिस ने उन्हें पिछले साल दिसंबर में उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से गिरफ्तार किया था। ईडी का मामला उन 18 प्राथमिकी से जुड़ा है, जिनमें आरोपियों के खिलाफ राज्य पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज की गई प्राथमिकियां भी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि गोयल पर ''भू-माफिया'' होने का आरोप है और उस पर अपनी कंपनियों के जरिये बुलंदशहर में विकसित अवैध कॉलोनियों में ''फर्जी'' दस्तावेजों का उपयोग करके भूखंड बेच कर निवेशकों से 100 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

ईडी अधिकारियों पर हमला जनाक्रोश का विस्फोट: शोभनदेब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने अपनी इस टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया कि उत्तर 24 परगना में छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों पर हालिया हमला ''जनाक्रोश का विस्फोट'' है।

राज्य के कृषि मंत्री चट्टोपाध्याय ने यह भी दावा किया कि ऐसे हमले देश के अन्य हिस्सों में भी होंगे जहां जांच एजेंसियां छापेमारी करती हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, हमने राज्य में एक स्थान पर जनाक्रोश का विस्फोट देखा... भविष्य में भारत में अन्य स्थानों पर भी ऐसी घटनाएं होंगी। राज्य की राशन प्रणाली में कथित अनियमितताओं के संबंध में संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के आवास पर पांच जनवरी को छापेमारी के लिए गई ईडी की टीम पर शेख के सैकड़ों समर्थकों ने हमला कर दिया था जिसमें उसके तीन अधिकारी घायल हो गए थे। चट्टोपाध्याय ने यह भी दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र में वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले शासन में कई करोड़ रुपए के घोटालों का खुलासा किया है ''लेकिन पार्टी सिर्फ गैर-भाजपा शासित राज्यों में ही जांच एजेंसियां भेजती है''। मंत्री के आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा सांसद दिलीप घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों को बचाने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को तुरंत सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहिए।

पुलिसकर्मी और अन्य लोगों ने छात्र के साथ मारपीट की, चेहरे पर पेशाब किया

कानपुर (उप्र)/भाषा। पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए यहां एक हेड कांस्टेबल तथा लगभग एक दर्जन लोगों ने एक छात्र के साथ कथित तौर पर मारपीट की और उसके चेहरे पर पेशाब कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने एमसीए छात्र आयुष द्विवेदी (23) का यहां के सिविल लाइंस इलाके से अपहरण कर लिया और उसे पांच किलोमीटर दूर कूपरगंज के पास ले गए और वहां उसके साथ मारपीट की।

पिछले साल अक्टूबर में आयुष द्विवेदी के खिलाफ धारा 307 (हत्या के प्रयास) के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। इस संबंध में हेड कांस्टेबल शिकायतकर्ता था। पुलिस ने बताया कि अगवा करने के बाद आरोपियों ने आयुष द्विवेदी को पेशाब पीने तथा थूक चाटने के लिए मजबूर किया।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी की पहचान स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) के हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र यादव के रूप में हुई है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की पहचान कल्याणपुर निवासी आयुष मिश्रा (23) और नंदू दुबे (45) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच करने और फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए कई टीम को तैनात किया गया है।

मणिपुर की वर्तमान स्थिति से बचा जा सकता था : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि अगर मादक पदार्थों और अवैध प्रवासियों की कोई समस्या नहीं होती तो राज्य में मौजूदा स्थिति से बचा जा सकता था। सिंह ने कहा कि अगर सरकार मादक पदार्थों के उपयोग के खिलाफ कदम उठाती है और राज्य में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अनधिकृत अप्रवासियों की आमद के खिलाफ उसके अभियान असंवैधानिक पाए जाते हैं तो वह इस्तीफा दे देंगे।

मणिपुरी शासक महाराजा गंभीर सिंह की 190वीं पुण्य तिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 30 लाख आबादी में से 1.5 लाख युवा नशे की लत के शिकार हैं। उन्होंने कहा, वर्तमान और भावी पीढ़ियों को बचाने के लिए (राज्य सरकार द्वारा) मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध की घोषणा की गई थी। यदि मादक द्रव्य नहीं होते, पोस्ता की खेती नहीं होती और अवैध आप्रवासन नहीं होता तो वर्तमान स्थिति नहीं होती। सिंह ने कहा, मणिपुर सरकार की वास्तव में क्या गलती और असंवैधानिक कृत्य था जिसके कारण आम लोगों पर हमले हुए और उनके घर जलाए गए? यदि मादक द्रव्यों के खिलाफ सरकारी अधिनियम और अवैध आप्रवासियों की आमद के खिलाफ अभियान में कुछ भी असंवैधानिक था तो मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा। मुझे संविधान की रक्षा और कार्यान्वयन करना है, जो मेरी जिम्मेदारी है।

मैदान में जब 'राम सिया राम' गाना बजता है तो मेरा आत्मविश्वास बढ़ जाता है: केशव महाराज

केपटाउन/भाषा। क्रिकेट मैच के दौरान भक्ति संगीत का बजना दुर्लभ है लेकिन जब केशव आत्मानंद महाराज मैदान पर आते हैं, तो स्टेडियम में डीजे को 'राम सिया राम जय जय राम' गाना बजाने का विशेष अनुरोध मिलता है। यह अनुरोध कोई और नहीं बल्कि दक्षिण अफ्रीका का यह वामहस्त स्पिनर खुद करता है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे लोकेश राहुल ने भी महाराज से पूछा था, जब भी आप प्रवेश (मैदान में) करते हैं, तो वे यह गाना बजाने लगते हैं। केपटाउन टेस्ट में जब महाराज बल्लेबाजी के लिए मैदान में आये तब एक बार फिर यह गाना बजने लगा और इस दौरान दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हाथ जोड़ कर खड़े दिखे।

'एसए20 (दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग)' में डरबन सुपरजायंट्स की कप्तानी करने वाले महाराज से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह कुछ ऐसा था जिसके लिए मैंने मैदान में गाना बजाने वाली महिला से अनुरोध किया था। डरबन में जन्मे भारतीय मूल के क्रिकेटर महाराज के लिए भगवान राम उनकी सबसे बड़ी ताकत हैं। महाराज ने कहा, भगवान मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत है। जब भी मुझे कुछ ऐसा करने का मौका मिलता है, मैं ऐसा करने की कोशिश करता हूं। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और दूसरे खिलाड़ियों का सम्मान भी मिलता है। धर्म और संस्कृति का सम्मान करना महत्वपूर्ण है लेकिन स्टेडियम में 'राम सिया राम' को बजते हुए सुनना अच्छा लगता है।

नीतीश कुमार विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के शीर्ष नेताओं में हैं शामिल : डी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने मंगलवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के शीर्ष नेताओं में से एक हैं। राजा ने हालांकि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार को 'इंडि' गठबंधन में बड़ी भूमिका दिए जाने पर विचार करने के बारे में पूछे गए सवालों को टाल दिया।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में 1990 के दशक में 'मोर्चा' सरकार की स्थापना की ओर इशारा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि 'इंडि' गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करने के पक्ष में है। डी राजा ने सोमवार की शाम नीतीश कुमार से मुलाकात की थी।

यह पूछे जाने पर कि नीतीश कुमार को संयोजक घोषित किया जाना क्या 'इंडि' गठबंधन के लिए बेहतर होगा, भाकपा नेता ने कहा, यह एक धारणा है, लेकिन मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि ऐसा नहीं करने से गठबंधन में कोई बाधा नहीं आने वाली है। राजा ने कहा, नीतीश कुमार निस्संदेह इंडिया गठबंधन में हमारे शीर्ष नेताओं में से एक हैं। वह बहुत अनुभवी हैं। 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर राजा ने कहा, हमारी पार्टी (भाकपा) बिहार और देश के बाकी हिस्सों में एक बड़ी ताकत है। लेकिन जब हम बातचीत के लिए बैठेंगे तो हमारा जोर उस समझौते पर होगा जिसमें सभी साझेदारों को अच्छी तरह से समायोजित किया गया हो और जो हमारी जीत सुनिश्चित करता हो।

उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने नीतीश कुमार से मुलाकात की तथा राजद नेता और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, तो उन्होंने भी इसी बात पर जोर दिया। जदयू नेताओं के सीट-बंटवारे के फार्मूले को जल्द अंतिम रूप देने की मांग पर राजा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें देर हो रही है।

किसी का कोई भगवान हो, हमारा भगवान पीडीए है : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्गों के सहारे आगामी लोकसभा चुनाव में जीत की उम्मीद लगाये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि ''किसी का कोई भगवान हो, हमारा भगवान पीडीए है। यादव ने समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय में पार्टी के मौजूदा और पूर्व विधायकों की बैठक से इतर संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर पीडीए की विरोधी होने का आरोप लगाया।

प्रदेश में हुई शिक्षक भर्ती में आरक्षण को कथित रूप से ठीक तरीके से लागू नहीं किए जाने के विरोध में अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, यह सरकार पीडीए के खिलाफ है। यह उन्हें कभी न्याय नहीं दे सकती। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आरक्षण की जो मूल भावना थी यह सरकार उससे भी खिलवाड़ कर रही है। इसीलिए किसी का कोई भगवान हो हमारा भगवान पीडीए है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के जरिए भाजपा 'नौटंकी' कर रही है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयनगर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के जरिये ''नौटंकी'' कर रही है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, मैं ऐसे उत्सव का समर्थन नहीं करती हूं, जिसमें अन्य समुदायों को अलग रखा जाए। दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह जनता को धार्मिक आधार पर बांटने में विश्वास नहीं रखतीं। उन्होंने कहा, मैं उन उत्सवों में विश्वास करती हूं जो सभी समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलते हैं और एकता की बात करते हैं। भाजपा इसे (राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह) अदालत के निर्देश पर कर रही है, लेकिन नौटंकी के तौर पर यह लोकसभा चुनाव से पहले किया जा रहा है।

बनर्जी ने कहा, मैं लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने में विश्वास नहीं रखती। अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 6,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

रुद्रांक्ष और मेहुली ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। रुद्रांक्ष पाटिल और मेहुली घोष की जोड़ी ने मंगलवार को यहां 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा जीतकर भारत को निशानेबाजी एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शेन युफान और झू मिंगशुआई की चीन की जोड़ी को 16-10 से हराया। रुद्रांक्ष और मेहुली की जोड़ी क्वालीफिकेशन में कुल 631.3 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। युफान और मिंगशुआई ने 632.3 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था।

रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा की जोड़ी को हालांकि 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में थू विन्ह ट्रिनह और कुआंग हुइ फाम की वियतनाम की जोड़ी के हाथों शिकस्त के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। रिदम और अर्जुन की जोड़ी क्वालीफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रही थी। वियतनाम की जोड़ी ने 580 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। फाइनल में हालांकि वियतनाम की जोड़ी बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने में सफल रही। भारत के अर्जुन बाबुता और इलावेनिल वालारिवान की जोड़ी 629 . 0 अंक लेकर छठे स्थान पररही।

जूनियर मिश्रित टीम एयर राइफल वर्ग में ईशा टकसाले और उमामहेश मेडिनेनी की जोड़ी ने चीन के चू जिकिंग और पेन बोवेन को 17 . 11 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी स्पर्धा में अभिनव साव और अन्वी राठौड़ ने स्थानीय खिलाड़ियों पी स्टीवन फारेल सावेरियो और एम पुत्री फाडिलाह को 16 . 10 से हराया। सोमवार को युवा निशानेबाजों वरूण तोमर और ईशा सिंह ने पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतते हुए भारत के लिए दो ओलंपिक कोटा हासिल किए थे। ये दोनों स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की क्रमश: पुरुष और महिला टीम का भी हिस्सा थे। इन दोनों के क्वालीफाई करने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारतीय निशानेबाजों की संख्या 15 हो गई है जो टोक्या खेलों में देश के सबसे बड़े निशानेबाजी दल की बराबरी है।

एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान हमसे बेहतर, खुद को आंकने का मिलेगा मौका : छेत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

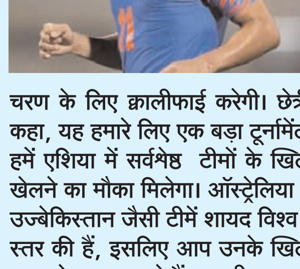

दोहा/भाषा। करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री को यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि आगामी एशियाई कप फुटबॉल में भारत के ग्रुप प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान गुणवत्ता के मामले में उनकी टीम बेहतर है लेकिन उन्होंने माना कि खिलाफ खेलने से टीम के स्तर को परखने का एक मौका मिलेगा।

इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में ग्रुप बी में शामिल भारत का सामना 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया से होगा। टीम इसके बाद उज्बेकिस्तान (18 जनवरी) और सीरिया (23 जनवरी) से भिड़ेगी। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें और छह समूहों में से चार सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। छेत्री ने कहा, यह हमारे लिए एक बड़ा टूर्नामेंट है। हमें एशिया में सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान जैसी टीमें शायद विश्व कप स्तर की हैं, इसलिए आप उनके खिलाफ खुद को परख सकते हैं। भारतीय कप्तान ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हमने पिछले सात-आठ वर्षों में काफी सुधार किया है। आप बड़ी टीमों के साथ खेल कर ही खुद को आंक सकते है। आपके पास उनके खेल की गति और रणनीति को समझने का मौका होगा। हमारे लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण है। अपना तीसरा एशियाई कप खेल रहे 39 साल के छेत्री उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2011 में भारत को 4-0 से हराया था। छेत्री ने हालांकि माना कि जब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी लेकिन अब स्थिति काफी अलग है और उनकी टीम की तैयारी बेहतर है। उन्होंने कहा, तब हमें ऑस्ट्रेलिया टीम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। अभी हमारे पास उनकी टीम के खिलाड़ियों की जानकारी है। हमने फलस्तीन और बहरीन के खिलाफ उनके मैत्री मैच देखे हैं। हम जानते हैं कि उनके खिलाड़ी किस लीग में हैं। हम खिलाड़ियों के व्यक्तिगत खेल के वीडियो का भी आकलन कर रहे है।

सुविचार

देर लगेगी मगर सब सही होगा, जो चाहिए वही मिलेगा, मेरी मानो दिन बुरे हैं जिंदगी नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसा 'जुनून' खतरे की घंटी

अक्सर लोग अपने जीवन में किसी-न-किसी व्यक्ति से प्रभावित होते हैं। वह कोई फिल्मी सितारा, खिलाड़ी, गायक, लेखक, वक्ता आदि हो सकता है। आध्यात्मिक गुरुओं के प्रति भी बहुत श्रद्धा होती है। लोग इन सबसे मिलने की इच्छा रखते हैं, जो कि स्वाभाविक है, लेकिन जब यह इच्छा एक खास तरह का 'जुनून' बन जाए, वह भी उस उम्र में, जब देश-दुनिया की पर्याप्त समझ न हो, तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। तमिलनाडु के करूर जिले के एक गांव की तीन स्कूली छात्राओं का द. कोरियाई बैंड बीटीएस के सदस्यों से मिलने के लिए चुपचाप घर से निकल जाने की घटना चौंकाती तो है, साथ ही यह भी बताती है कि इन दिनों स्कूली बच्चों के दिलो-दिमाग पर मोबाइल फोन का बहुत गहरा असर हो रहा है। माता-पिता अपने बच्चों की जिद और कुछ मामलों में जरूरत को देखते हुए मोबाइल फोन तो लाकर दे देते हैं, लेकिन उनके पास यह जानने के लिए समय नहीं होता कि इसके जरिए बच्चा कैसी सामग्री देख रहा है! बेशक मोबाइल फोन पर अच्छी, शिक्षाप्रद और प्रेरक सामग्री भी देखी जा सकती है। आज सोशल मीडिया असत्य व आपत्तिजनक सामग्री से भरा पड़ा है, जिसे देखकर बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर पड़ता है। ज्यादातर स्कूलों में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जहां बच्चों को मोबाइल फोन और इंटरनेट जैसी तकनीक के सही इस्तेमाल को लेकर जागरूक किया जाए, उनकी बात सुनी जाए। पाठ्यक्रम, टेस्ट व परीक्षा आदि के बाद इतना समय ही नहीं बचता कि हर बच्चे से खुले माहौल में बात की जाए। प्राय: बड़े शहरों में माता-पिता, दोनों के कामकाजी होने पर बच्चे उनकी अनुपस्थिति में इंटरनेट की दुनिया में ज्यादा रुचि लेने लगते हैं। कई मामलों में यह देखा गया है कि बच्चे के काफी देर तक मोबाइल फोन चलाने के बाद जब उसे टोका जाता है तो वह कहता है कि उसने कुछ समय पहले ही फोन लिया था और वह सिर्फ पांच मिनट और चलाएगा! फिर, उसे पता ही नहीं चलता कि ये पांच मिनट कब पचास मिनट बन गए!

स्कूली बच्चे अपने संगी-साथियों से जल्दी प्रभावित होते हैं। अगर उनमें से कोई किसी चर्चित व्यक्ति का प्रशंसक है तो उसे समान रुचि वाले साथी मिल ही जाते हैं। इस दौरान भावनाओं की प्रबलता होती है, वास्तविकता से परिचय कम होता है। करूर जिले के गांव से जो बच्चियां द. कोरिया जाना चाहती थीं, उन्हें नहीं मालूम था कि वहां तक पहुंचने के लिए पासपोर्ट, वीजा, हवाई टिकट जैसी चीजों की जरूरत होती है। यह तो पुलिस अधिकारियों की सूझबूझ थी, जिन्होंने इन्हें सकुशल घर पहुंचा दिया। इस तरह घर से जाना, बंदरगाह से यात्रा करने की सोचना, रात को ट्रेन छूटना ... उन्हें किसी बड़ी मुसीबत में डाल सकता था। अधिकारियों ने इनके लिए वेल्लोर जिले के एक सरकारी केंद्र में परामर्श सत्र का आयोजन किया, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने बच्चियों के माता-पिता के लिए भी ऐसे सत्र आयोजित किए। स्कूलों में बच्चों और उनके माता-पिता के लिए समय-समय पर ऐसे सत्रों का आयोजन होना चाहिए। बच्चों को 'रील लाइफ़' और 'रिअल लाइफ़' में अंतर समझाना चाहिए। किसी विख्यात व्यक्ति, किरदार या बैंड का प्रशंसक होना ग़लत नहीं है, लेकिन उसके प्रति ऐसा जुनून या दीवानगी नहीं होनी चाहिए, जो जीवन को संकट में डाल दे। पहले भी कई बच्चे 'सुपर हीरो' से प्रभावित होकर ऐसे कदम उठा चुके हैं, जिनके भयानक परिणाम हुए थे। पिछले दो दशकों में ऐसे कई मामले सामने आए, जब बच्चों ने जानबूझकर खुद को मुसीबत में डाला, क्योंकि उन्हें विश्वास था कि उनका 'सुपर हीरो' उन्हें बचाने आएगा! एक बच्चा अपने पसंदीदा अभिनेता की फिल्म देखकर उससे इतना प्रभावित हुआ कि असल ज़िंदगी में उसकी नकल करने लगा। एक बार उसने फिल्म में देखा कि अभिनेता ने जिस व्यक्ति का किरदार निभाया, वह घर छोड़कर चला गया और वर्षों बाद 'बड़ा आदमी' बनकर लौटा। बच्चे ने भी यही करना चाहा और किसी ट्रेन में बैठ गया। उसके माता-पिता ने कई दिनों बाद बड़ी मुश्किल से उसे ढूंढ़ा। ऐसे मामलों में परिवार के बड़े सदस्यों और शिक्षकों को सख्ती नहीं बरतनी चाहिए। स्नेह और सूझबूझ से काम लेते हुए समझाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

सुशासन में समन्वय के बराबर ही समीक्षा का महत्व है। इसी सोच से ज़िला प्रशासन जोधपुर की जिला विकास समन्वय व निगरानी समिति दिशा की बैठक में केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर विस्तृत विमर्श किया। बैठक 5 घंटे चली।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सदन में नियोजित व्यवधान लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। विपक्ष अपनी असहमति व्यवधान से नहीं बल्कि चर्चा करते हुए तर्कों के साथ व्यक्त करे।पहली बार निर्वाचित होकर आए सदस्यों को अभिव्यक्ति के लिए पर्याप्त समय मिले। सभी विधायक सदन में अधिक से अधिक समय बिताएं।

-ओम बिरला

चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र दौरे के दौरान आज बेगूं विधानसभा के बानोड़ा बालाजी में दर्शन कर आशीर्वाद लिया, रूढ़गढ़ बालाजी, रायता में श्री देवनारायण भगवान के कथा कार्यक्रम एवं आवलहेड़ा में श्रीमदभागवत कथा में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

त्यागवृत्ति का साहस

एक बार एक राज्य ने दुर्भिक्ष का सामना किया। ऋषि लोगों से बोले, 'नरमेध यज्ञ से ही दुर्भिक्ष मिटेगा। इसके लिए एक व्यक्ति की बलि देनी होगी।' यह सुनते ही चारों ओर श्मशान-सी खामोशी छा गई। सबको शांत देख महात्मा बोले, 'क्या आप सबमें किसी में इतना साहस नहीं, जो स्वयं का बलिदान देकर पूरे राज्य का दुर्भिक्ष मिटा सके।' तभी शतमन्यु नामक एक बालक आगे आकर बोला, 'महर्षि मैं अपना बलिदान देने हेतु सहर्ष प्रस्तुत हूं। मैं अपने माता-पिता की आज्ञा लेकर आता हूं।' यह बालक अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उसने घर पहुंचकर अपने माता-पिता को अपने निर्णय की जानकारी दी। उसके तर्कों के समक्ष उसके माता-पिता न नहीं कह सके। बालक यज्ञस्थली पर लौट आया। बलि के समय बालक निर्भीक भाव से सिंह-शावक के समान खड़ा हो गया। ज्यों ही पुरोहित ने खड्ग हाथ में लिया कि बादल छा गए, चारों ओर पुष्पवर्षा होने लगी। इंद्रदेव ने वहां प्रकट होकर उस बालक के गले में माला डालते हुए कहा, 'मैं इस बालक की त्यागवृत्ति से प्रसन्न हूं। अब यहां मेघ बरसेंगे। आलस्य, असंयम, अनैतिकता में डूबे सभी लोगों को दंडित करने के लिए ऐसा किया गया था।' मेघ बरसे और दुर्भिक्ष मिट गया।

सामयिक

वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है हिन्दी

योगेश कुमार गोयल
फोन : 9416740584

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों किन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतवासी को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है। सही मायनों में विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है भारत की राजभाषा हिन्दी, जो न केवल भारत में बल्कि अब दुनिया के अनेक देशों में बोली जाती है। वैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती ताकत का सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यही है कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं और दुनियाभर के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। दुनियाभर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करने तथा हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। पहली बार नागपुर में 10 जनवरी 1975 को विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। तत्पश्चात भारत के बाहर मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, अमेरिका इत्यादि देशों में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था एथ्नोलॉग' के द्वारा जब हिन्दी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया जाता है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। अगर हिन्दी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो विश्वभर में पचहत्तर करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिन्दी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा कुछ वर्षों पूर्व तक जहां अंग्रेजी सामग्री को ही महत्व दिया जाता था, वहीं अब गूगल द्वारा भारत में हिन्दी तथा कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि देश में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले की संख्या अब अंग्रेजी में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी। कुछ वर्ष पूर्व डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो अब बढ़कर चौदह करोड़ से ज्यादा हो जाने का अनुमान है। इंटरनेट पर हिन्दी का जो दायरा कुछ समय पहले तक कुछ ब्लॉगों और हिन्दी की चंद वेबसाइटों तक ही सीमित था, अब हिन्दी अखबारों की वेबसाइटों ने करोड़ों नए हिन्दी पाठकों को अपने साथ जोड़कर हिन्दी को और समृद्ध तथा जन-जन की भाषा बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं। यह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी की ताकत ही कही जाएगी कि इसके इतने ज्यादा उपयोगकर्ताओं के कारण ही अब भारत में बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हिन्दी का भी उपयोग करने लगी हैं। हिन्दी की बढ़ती ताकत को महसूस करते हुए भारत में ई-कॉमर्स साइटें भी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए हिन्दी में ही अपनी एप' लेकर आ रही हैं।

हिन्दी इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़े देखें तो 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वालों की संख्या में हमारे देश में करीब 10 करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2001 में जहां 41.03 फीसदी लोगों ने हिन्दी को अपनी मातृभाषा बताया था, वहीं 2011 में ऐसे लोगों की संख्या करीब 42 करोड़ के साथ 43.63 फीसदी दर्ज की गई और जिस प्रकार हिन्दी का चलन लगातार बढ़ रहा है, माना जाना चाहिए कि उसके बाद के करीब एक दशक में हिन्दी बोलने वालों की संख्या में कई करोड़ लोगों की बढ़ोतरी अवश्य हुई होगी।

भारत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बुरा प्रभाव पड़ा। इसी कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे और गर्व का विषय यह है कि अब सैंकड़ों देशों में हिन्दी का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। अगर भारतीय परिवेश में हिन्दी के प्रचलन को लेकर बात की जाए तो यह चिंता की बात है कि भारतीय समाज में बहुत से लोगों की मानसिकता ऐसी हो गई है कि हिन्दी बोलने वालों को वे पिछड़ा और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वालों को आधुनिक का दर्जा देते हैं। हिन्दी का करीब 1.2 लाख शब्दों का समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का दिल खोलकर इस्तेमाल करते हैं।

ऐसे में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर लोगों को हिन्दी भाषा के विकास, हिन्दी के उपयोग के लाभ तथा उपयोग न करने पर हानि के बारे में समझाया जाना बेहद जरूरी है। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि हिन्दी उनकी राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्त्तव्य है और जब तक सभी लोग इसका उपयोग नहीं करेंगे, इस भाषा का विकास नहीं होगा। उन्हें यह अहसास कराए जाने का भी प्रयास किया जाना चाहिए कि भले ही दुनिया में अंग्रेजी भाषा का सिक्का चलता हो लेकिन हिन्दी अब अंग्रेजी भाषा से ज्यादा पीछे नहीं है।

विशेष

राम को क्यों जपते तुलसी, कबीर, नानक सभी?

आर. के. सिन्हा

अयोध्या या भारत ही नहीं, सारे संसार में राम की चर्चा है। भारत तो राममय हो ही चुका है। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। लगभग 500 वर्ष के दीर्घकालीन वनवास के पश्चात प्रभु श्री राम पुन: पूरे विधि विधान के साथ अपने जन्म स्थान में पुन: विराजमान होने वाले हैं।

भगवान राम फिर अयोध्या लौटे हैं। लेकिन, उनके उस जन्मस्थान पर आखिर सभी पंथ, सभी संप्रदाय के लोग समय-समय पर क्यों आते जाते रहें है? क्योंकि, राम किसी संकीर्ण विचारधारा से नहीं बंधे हैं। राम ही भारत की प्राणशक्ति हैं। राम ही धर्म हैं। मानव शरीर की श्रेष्ठता और उदात्तता का सीमांत राम से ही बनता है। हर व्यक्ति के जीवन में हर कदम पर जो भी अनुकरणीय हैं, वह राम ही हैं। इसीलिए तो यहां सिख गुरु नानकदेव भी आए और अयोध्या में जन्में पांच जैन तीर्थंकरों ने भी अपने को राम की वंश-परंपरा से ही जोड़ा। बनारस से दलित संत रविदास अयोध्या भी राम दर्शन के लिए आए तो दक्षिण के आलावर संत भी। द्वैत सिद्धांत मानने वाले आचार्य भी। अद्वैत के प्रवर्तक शंकराचार्य और विशिष्टद्वैत के बल्लभाचार्य भी अयोध्या आकर जन्मस्थान पर अपनी साधना में लीन रहे। निर्गुण कबीर भी राम को भजते हैं और सगुण तुलसी भी। भवभूति भी राम को जपते हैं।

तुकाराम से तिरुवल्लुवर तक के लिए राम पीड़ित, शोषित और वंचित की अभिव्यक्ति हैं। श्रीराम की अयोध्या कैसी है? अयोध्या लोकतंत्र की जननी है। आराधिका है। संरक्षिका है। अयोध्या का लोकतंत्र संविधान या परंपरा से नहीं आचरण की श्रेष्ठता से चलता है। अयोध्या का लोकतंत्र लोकमंगल से चलता है। और वहां बना राम मंदिर ? क्या जन्मस्थान पर बनी यह नई इमारत राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के पत्थरों और कंक्रीट का महज एक मंदिर है? नहीं। ये बदलते भारत का प्रतीक है, जिसमें किसी अन्याय के प्रतिकार की ताकत है। इस मंदिर से हमारी परंपरा, संस्कृति, धर्म, सभ्यता, मान-सम्मान का गर्भनाल का रिश्ता है। अयोध्या का मंदिर श्रीराम का है। इस बीच, एक बात कहनी होगी कि अयोध्या में रामलला के मंदिर और प्राण प्रतिष्ठा की जिस तरह से तैयारियां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगरानी में हुईं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार के कामकाज के साथ-साथ मंदिर निर्माण के काम को भी देखा। वे रोज काम की प्रगति की जानकारी लेते रहे और जरूरी निर्देश अपने मंत्रिमंडल के साथियों और अफसरों को देते रहे। उनकी पैनी नजर के चलते ही राम मंदिर में चल रहा निर्माण कार्य वक्त रहते पूर्ण हुआ। बहरहाल, अयोध्या श्रीराम की थी,श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी। श्री राम भारत के कण-कण में हैं। हमारे भाव की हर हिलोर में श्री राम हैं। राम यत्र-तत्र, सर्वत्र हैं। जिसमें रम गए, वहीं राम हैं। यहां सबके अपने-अपने राम हैं। गांधी के राम अलग हैं, लोहिया के राम अलग। बाल्मीकि और तुलसी के राम में भी फर्क है। भवभूति के राम दोनों से अलग हैं।

कबीर ने राम को जाना, तुलसी ने माना, निराला ने बखाना। राम एक हैं, पर राम के बारे में दृष्टि सबकी भिन्न है।त्रेता युग के श्री राम त्याग, शुचिता, मर्यादा, संबंधों और इन संबंधों से ऊपर मानवीय आदर्शों की वे प्रति मूर्ति है, जिनका दृष्टांत आधुनिक युग में भी अनुसरण करने के लिए दिया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम आदर्श पुत्र, आदर्श राजा, आदर्श भ्राता ही नहीं वरन आदर्श पति भी हैं, जो आजीवन एकपत्नी व्रती रहे। भगवान श्री राम ने राजा होते हुए त्याग, संयम, धैर्य, सहयोग और प्रजा के प्रति सेवा भाव का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पत्नी वियोग के साथ नाना प्रकार के कष्ट सहे। ईश्वरीय अवतार होने के बावजूद मनुष्य रूप में अनेक कष्ट सहने के बावजूद इतिहास ने भी उनके साथ कम अन्याय नहीं किया। माता सीता पर मिथ्या दोषारोपण के कारण राम द्वारा सीता का परित्याग एक मात्र ऐसा प्रसंग रहा, जिसके कारण आज भी प्रभु श्रीराम नारीवादियों के कटघरे में खड़े दिखाई देते हैं।

इस बीच, कुछ ऐसे कथित ज्ञानी भी हैं जो श्रीराम को काल्पनिक मानते हैं। वैसे उनके कहने से क्या फर्क पड़ता है। फर्क तब पड़ता, अगर वे हजारों वर्ष से जिस प्रकार जीवित है, हयात है, साक्षात है, वह न होते। वे केवल जीवित ही नही है, उनके नाम मात्र ने मुर्दा बना दिए गए राष्ट्र को ऐसा संजीवन कर दिया उसने विश्व सत्ता को अपने स्थान वापस कर दिया, जैसे वामन अवतार ने राजा बलि को। उनका नाम मात्र धर्म का पर्याय बन गया। दशरथ पुत्र श्रीराम से अधिक, कहीं गुना अधिक काम तो राम नाम मात्र से हुए है। गांधी जी ने साफ कहा कि वे इस बात में पड़ना ही नही चाहते कि राम ऐतिहासिक हैं या नहीं। उनके लिए राम नाम ही उनकी शक्ति और उनकी प्रेरणा थी।

खैर, हिंदुत्व और सनातन धर्मावलंबियों के लिए अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण तथा भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा एक गौरवशाली क्षण है और वर्तमान पीढ़ी बेहद भाग्यशाली है जो, इन ऐतिहासिक क्षणों की साक्षी बनने जा रही है। वर्षों से प्रभु श्री राम जन्मभूमि का विवाद न्यायालय के समक्ष लंबित था जिसमें प्रभु श्री राम एक वादी के रूप में थे। दीर्घकाल के वनवास के पश्चात प्रभु श्री राम को अयोध्या में उनका अपना स्थान प्राप्त हुआ है।

विशेष

नये भारत की पुलिस में बड़े बदलाव जरूरी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

पुलिस की भक्षक छवि आजादी के अमृतकाल की सबसे बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है, पुलिस की रक्षक छवि कैसे स्थापित हो, वे खलनायक नहीं, नायक बने, आज के इस सबसे बड़े राष्ट्रीय प्रश्न पर जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुलिस के बड़े अधिकारियों के बीच नसीहत देने की जरूरत पड़ी। मोदी ने देश भर के पुलिस मुखियाओं को सीख दी कि पुलिस जनता को बताए कि उसकी शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई। मतलब साफ है कि अभी शायद पुलिस इस काम को पूरी तरह से अंजाम नहीं दे पा रही है। बड़ा सवाल है कि आज़ाद होने के बाद जब हम एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र बनाने चले, तब हमने अपनी सबसे महत्वपूर्ण संस्था पुलिस में आमूल-चूल परिवर्तन की बात क्यों नहीं सोची? भारतीय पुलिस आज हमें जिस स्वरूप में दिखती है, उसकी नींव 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की समाप्ति के बाद पड़ी थी और इसके पीछे तत्कालीन शासकों की एकमात्र मंशा औपनिवेशिक शासन को दीर्घजीवी बनाना था और उसमें वे काफी हद तक सफल भी हुए। 1860 के दशक में बने पुलिस ऐक्ट, आईपीसी, सीआरपीसी या एविडेंस एक्ट जैसे कानूनों के खंभों पर टिका यह तंत्र ना तो कभी जनता का मित्र बन सका, ना ही जनता के रक्षक की भूमिका को निष्पक्षता से निभा सका और ना ही उसकी ऐसी कोई मंशा थी। आजादी के बावजूद आज भी हम विदेशी दासता का दंश ही झेल रहे हैं और उसमें सबसे बड़ी भूमिका पुलिस की ही है। आजाद भारत की बड़ी असफलता है कि पुलिस कानून-कायदों की धज्जियां उड़ाने वाला, भ्रष्ट और जनता के शत्रु संगठन के रूप में ही काम कर रहा है, तभी आम जनता पुलिस नाम से ही थर-थर कांपती है। जरूरत है वर्तमान थानों को अब जन-रक्षक केन्द्र के रूप में विकसित करते हुए पुलिस की नयी कार्यप्रणाली, भूमिका, छवि एवं दायित्वों को निर्धारित किया जाये।

पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 58वें अखिल भारतीय इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री की इस सीख से यह जाहिर होता है कि आजादी के 77 साल बाद भी पुलिस जनता की दोस्त एवं रक्षक के रूप में काम नहीं कर रही। इसके लिए पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। प्रधानमंत्री की पुलिस अफसरों को दी गई नसीहत ने कई विचारणीय सवाल भी खड़े किए हैं। पहले भी पुलिस सुधारों को लेकर काफी विचार-विमर्श व सरकारी स्तर पर फैसले हुए हैं। मोदी ने कहा कि तीनों नए आपराधिक न्याय कानूनों को 'नागरिक प्रथम, गरिमा प्रथम, न्याय प्रथम' की भावना से बनाया गया है और पुलिस को अब डंडे के बजाय डाटा के साथ काम करना होगा। सवाल यह है कि इसके बावजूद क्या पुलिस अपनी कसौटी पर खरी उतर सकेगी? अहम सवाल यह भी कि क्या पुलिस को बिना राजनीतिक एवं शासन के दबाव के स्वतंत्र तरीके से काम करने के अवसर मिल सकेंगे? अगर इस सवाल का जवाब हां है तो हमें इसके कारण एवं मार्ग भी तलाशने होंगे। यह जगजाहिर है कि पुलिस को कई बार राजनीतिक दबाव में काम करना पड़ता है। पुलिस की कार्यप्रणाली बहुत जटिल है और पुलिस बल अपेक्षा से काफी कम है। बड़ा संकट यही है कि आबादी के अनुपात में जितने पुलिसकर्मी होने चाहिए, उतने आज भी नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 196 पुलिसकर्मी होने चाहिए जबकि वर्तमान में यह आंकड़ा 152 ही है। अनेक राज्यों में तो यह अनुपात 130 के भी नीचे है। पुलिस अफसरों की नियुक्ति में सिफारिशें एवं भ्रष्टाचार किस स्तर का होता हैं, यह भी किसी से छिपा नहीं है। विडम्बना यह है कि एक तरफ पुलिसकर्मियों की कमी है तो दूसरी तरफ मंत्री और विधायकों से लेकर पार्टी पदाधिकारी भी अपनी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती चाहते हैं, फिर जनता की सुरक्षा-ढाल कौन और कैसे बनेगा?

नये भारत, सशक्त भारत की बुनियादी जरूरत है वर्तमान पुलिस व्यवस्था को भारतीय मूल्यों एवं अपेक्षाओं के अनुरूप गठित करने की। क्योंकि आज की पुलिस व्यवस्था मूलतः ब्रिटिश पद्धति पर आधारित है, यह व्यवस्था लगभग 160 वर्ष से भी पुरानी है, जो रक्षक नहीं बल्कि भक्षक बनी हुई है। किसी पर भरोसा कर रक्षा के लिए छोड़ दे और वही आपका नुकसान कर दे तो उसे भक्षक कहते है। आज भी हमारे राजनेता एवं राजनीति विदेशी मानसिकता एवं दासता से ग्रस्त है। इसलिए तो हमारे शासकों एवं राजनेताओं को आज भी ऐसी पुलिस भाती है, जो उनके इशारों पर विरोधियों के हाथ-पैर तोड़ दे, उनके खिलाफ झूठे केस दर्ज कर दें या उनके समर्थकों के कानून तोड़ने पर अपनी आंखें मूंद ले? आज भी चुनाव जिताने के लिए पुलिस उनके पास सबसे कारगर औजार है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज भी भारत में जितने भी साम्प्रदायिक दंगे हुए उनमें पुलिस की भूमिका बेहद संदेहास्पद एवं खतरनाक स्थिति में थी। पुलिस का कार्य निष्पक्ष रह कर अपने कार्यों को अंजाम देना है ना कि उसी में शामिल हो जाना। राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस अपने कार्यों को निष्पादित नहीं कर पाती है और राजनीतिक कारणों से न्याय व्यवस्था प्रभावित होती है।

निश्चित ही मोदी सरकार ने अमृत काल में प्रवेश करते हुए दो महत्वपूर्ण विकासों पर जोर दिया, नई शिक्षा नीति का निर्माण और ब्रिटिश युग के कानूनों की जगह नये कानून बनाना। यही कारण है तीनों नए आपराधिक कानून सजा के बजाय न्याय प्रदान करने पर केंद्रित हैं और इन कानूनों के कार्यान्वयन से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली सबसे आधुनिक और वैज्ञानिक हो जाने की संभावना को बल मिला है। जरूरत है इन कानूनों के निष्पक्ष क्रियान्वयन की।

जरूरत है कि इन नये कानूनों के अनुरूप पुलिस के प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था हो। सरकार की दिशा एवं संकल्प स्पष्ट है तभी देश में आतंकवाद, उग्रवाद, साम्प्रदायिक हिंसा एवं नक्सलवाद पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। लेकिन नये युग के अनुरूप अपराध भी नयी शक्ल में सामने आ रहे हैं, जैसे सीमाओं की सुरक्षा, साइबर-खतरे, आर्थिक भ्रष्टाचार, कट्टरपंथ, पहचान दस्तावेजों में धोखाधड़ी आदि है। इनसे लड़ने एवं इन्हें समाप्त करने में पुलिस की ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। पुलिस कानून व्यवस्था की केंद्रीय धुरी है, इसलिए उसकी दक्षता, कार्यक्षमता, कौशल, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पर ही नये भारत के नये कानूनों की कामयाबी का दारोमदार होगा। आज जब विश्व में भारत का महत्व बढ़ रहा है और आर्थिक विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तो शांति, सह-जीवन, स्थिरता और समृद्धि के लिए सक्षम एवं ईमानदार पुलिस तंत्र का होना आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वितरण

नई दिल्ली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मंगलवार को नई दिल्ली के महरौली में पोषण किट वितरित करते हुए।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले हिंदू अमेरिकियों ने ह्यूस्टन में कार रैली निकाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ह्यूस्टन/भाषा। इस माह के अंत में अयोध्या में आयोजित होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले हिंदू अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने रविवार को ह्यूस्टन में एक विशाल कार रैली निकाली। यह रैली भजन और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए रास्ते में 11 मंदिरों में भी रुकी।

विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने मंदिर के पदाधिकारियों को 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

भारत और अमेरिका के झंडे और राम मंदिर की छवि वाले भगवा बैनर लिए 500 से अधिक लोगों ने 216 कारों की लगभग पांच किलोमीटर लंबी कतार के साथ रैली निकाली। इस दौरान अपनी मोटरसाइकिल पर आठ पुलिसकर्मी भी रैली के साथ-साथ मौजूद रहे।

ह्यूस्टन के समाज सेवी जुगल मालानी ने श्री मीनाक्षी मंदिर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और दोपहर बाद रिचमंड के श्री शरद अंबा मंदिर पहुंचने के बाद इसका समापन हुआ।

ह्यूस्टन के व्यस्त मार्गों से होते हुए रैली ने लगभग 160 किलोमीटर की दूरी तय की और छह घंटे की रैली के दौरान करीब 11 मंदिरों पर भी रुकी।

मंदिरों में लगभग दो हजार श्रद्धालु इकट्ठा हुए, जिनमें युवा और बुजुर्ग दोनों शामिल रहे। इस दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम दिखीं। मंदिरों में भजनों के साथ जुलूस का स्वागत किया गया।

वीएचपीए ने कहा, विभिन्न मंदिरों में इकट्ठा हुए 2,500 से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा कार रैली प्रतिभागियों के प्रति दिखाई गई भक्ति और प्रेम अभिभूत करने वाला था। भगवान श्री राम ह्यूस्टन वासियों के हृदय में निवास करते हैं।

स्वागत

मध्य प्रदेश विधानमंडल के सदस्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए मंगलवार को भोपाल पहुंचने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर स्वागत करते हुए।

राम मंदिर के उद्घाटन के बाद झारखंड की महिला तीन दशक पुराना मौन व्रत तोड़ेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद (झारखंड)/भाषा। झारखंड की 85 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उदघाटन का सपना सच होने के बाद तीन दशक से जारी अपना 'मौन व्रत' तोड़ देंगी।

उनके परिवार ने दावा किया कि 1992 में जिस दिन बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था, उसी दिन सरस्वती देवी ने प्रतिज्ञा की थी कि वह अपना मौन व्रत तभी तोड़ेंगी जब राम मंदिर का उदघाटन होगा। मंदिर का उदघाटन देखने के लिए धनबाद निवासी सरस्वती देवी सोमवार रात ट्रेन से उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए रवाना हुईं।

सरस्वती देवी को अयोध्या में 'मौनी माता' के नाम से जाना जाता है। वह परिवार के सदस्यों के साथ संवाद सांकेतिक भाषा के माध्यम से करती हैं। हालांकि वह जटिल वाक्य लिखकर अपनी बात लोगों के समक्ष रखती हैं। उन्होंने 'मौन व्रत' से कुछ समय का विराम लिया था और 2020 तक हर दिन दोपहर में एक घंटे बोलती थीं। लेकिन जिस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर की आधारशिला रखी उस दिन से उन्होंने पूरे दिन का मौन धारण कर लिया।

सरस्वती देवी के सबसे छोटे बेटे 55 वर्षीय हरेराम अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, छह दिसंबर, 1992 को जब बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था तब मेरी मां ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण तक मौन धारण करने का एक संकल्प ले लिया था। जब से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तारीख की घोषणा की गई है तब से वह बहुत खुश हैं। बाघमारा खंड के भौंरा निवासी हरेराम ने कहा, मेरी मां सोमवार रात धनबाद रेलवे स्टेशन से गंगा-सतलुज एक्सप्रेस से अयोध्या के लिए रवाना हुईं। वह 22 जनवरी को अपना मौन व्रत तोड़ेंगी। उन्होंने बताया कि सरस्वती देवी को महंत नृत्य गोपाल दास के शिष्यों ने राम मंदिर उदघाटन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

परिवार के सदस्यों ने कहा कि चार बेटियों सहित आठ बच्चों की मां सरस्वती देवी ने 1986 में अपने पति देवकीनंदन अग्रवाल की मृत्यु के बाद अपना जीवन भगवान राम को समर्पित कर दिया और अपना अधिकांश समय तीर्थयात्राओं में लगाया। सरस्वती देवी वर्तमान में कोल इंडिया की शाखा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में एक अधिकारी के रूप में कार्यरत अपने दूसरे बेटे नंदलाल अग्रवाल के साथ धनबाद के धैया में रह रही हैं। नंदलाल की पत्नी इन्नू अग्रवाल (53) ने कहा कि विवाह के कुछ महीने बाद ही उन्होंने अपनी सास को भगवान राम की भक्ति में मौन व्रत धारण करते हुए देखा।

लोग अपने बच्चों के नाम वेदों, पुराणों, रामायण और महाभारत से चुनें : स्वामी विश्वप्रसन्ना तीर्थ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले मंदिर ट्रस्ट के एक वरिष्ठ सदस्य ने लोगों से अपने बच्चों के लिए नाम हिंदू ग्रंथों से चुनने का आग्रह किया और उन्हें

'संस्कृति की शिक्षा' देने का आह्वान किया है। ट्रस्ट के सदस्य स्वामी विश्वप्रसन्ना तीर्थ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि मंदिर के निर्माण से भी बड़ा काम उसे संरक्षित करना है। उन्होंने कहा, सदियों से हमने जो सपना देखा था, वह पूरा हो गया है। लेकिन यह नहीं मान लेना चाहिए कि हमारी जिम्मेदारियां खत्म हो गईं। हमारी सोच यह होनी चाहिए कि कितने वर्षों तक मंदिर उसी रूप में बना रहे और कोई उसे फिर नुकसान न पहुंचा सके। उन्होंने बामियान में बुद्ध की मूर्तियों को नष्ट किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, जब तक हमारे बच्चे हिंदू बने रहेंगे और हिंदू बहुसंख्यक रहेंगे, तब तक मंदिर एक मंदिर के रूप में मौजूद रहेगा। देखिए अफगानिस्तान में क्या हुआ, जहां बुद्ध की मूर्तियों को नष्ट कर दिया गया। स्वामी विश्वप्रसन्ना तीर्थ ने यह भी कहा कि मंदिर बनाना कोई बड़ा काम नहीं है – बड़ा कर्तव्य इसे मंदिर के रूप में संरक्षित करना है। पेजावर मठ के संत ने कहा, हम हमेशा के लिए जीवित नहीं रहने वाले हैं। हमें अपने बच्चों में हिंदू धर्म और सनातन धर्म के मूल्य डालने होंगे। अपने 'संतति' (बच्चों) को 'संस्कृति' की शिक्षा देकर ही हम इसे संरक्षित करने में सक्षम होंगे।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बारे में पूछे जाने पर स्वामी ने कहा, सदियों का सपना अब पूरा हो गया है। यह एक कानूनी लड़ाई थी। उच्चतम न्यायालय ने हमारे पक्ष में फैसला दिया। जो लोग संविधान में विश्वास करते हैं और उच्चतम न्यायालय के प्रति सम्मान रखते हैं, उन्होंने इसे स्वीकार किया है। विश्वप्रसन्ना तीर्थ ने यह भी कहा कि बच्चों के नाम वेदों, पुराणों, रामायण और महाभारत से चुने जाने चाहिए। उन्होंने कहा, इससे बच्चों को यह जानने में मदद मिलेगी कि वे किस संस्कृति से हैं।

स्वामी ने कहा, (लोगों के) नाम बदलने के लिए एक अभियान होना चाहिए। इसे सार्वजनिक रूप से मंदिरों में आयोजित किया जाना चाहिए। मतांतरण को रोका जाना चाहिए और बच्चों को संस्कृति की शिक्षा देने की शुरुआत होनी चाहिए। रामानंद सागर के धारावाहिक रामायण में सीता की भूमिका निभाने वाली दीपिका चिखलिया द्वारा मंदिर में राम के साथ सीता की प्रतिमा स्थापित करने की अपील का जिक्र करने पर उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर में भगवान राम और देवी सीता होंगी।

स्वामी ने आगे कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद 48-दिवसीय मंडल पूजा होगी जिसकी वह देखरेख करेंगे। अब की अयोध्या और उसके पुराने अवतार के बीच तुलना करते हुए स्वामी विश्वप्रसन्ना तीर्थ ने कहा ऐसा लगता है कि अयोध्या ने खुद को 'कलयुग (आधुनिक युग)' से 'त्रेता युग (भगवान राम का युग)' में बदल दिया है।

कंगना के पास बिलकिस बानो पर फिल्म के लिए 'स्क्रिप्ट तैयार'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कहा है कि उनके पास बिलकिस बानो मामले पर आधारित एक फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार है, लेकिन नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से सपोर्ट की कमी के चलते वह ऐसा नहीं कर सकीं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान पांच महीने की गर्भवती बिलकिस बानो के साथ बलात्कार करने और उसके परिवार की हत्या करने वाले 11 दोषियों की रिहाई को खारिज कर दिया था। एक्स पर एक यूजर ने कंगना से बिलकिस बानो पर फिल्म बनाने के बारे में पूछा। यूजर ने पूछा था, डियर कंगना रनौत, महिला सशक्तीकरण के प्रति आपका जुनून बेहद उत्साहित करने वाला है। क्या आप एक सशक्त फिल्म के साथ बिलकिस बानो की कहानी बताना चाहेंगी? क्या आप बिलकिस बानो, नारीवाद या कम से कम मानवता के लिए ऐसा कर सकती हैं?''

उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से ऐसी फिल्म बनाना चाहती थीं, लेकिन, सपोर्ट की कमी के कारण वह फिल्म नहीं बना पाईं। यूजर को जवाब देते हुए उन्होंने लिखा, मैं ये कहानी बनाना चाहती हूं, मेरे पास स्क्रिप्ट तैयार है, मैंने उस पर तीन साल तक रिसर्च किया है और काम भी किया है। लेकिन, नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो और अन्य स्टूडियो ने मुझे लिखा कि उनके पास क्लियर गाइडलाइन्स हैं कि वे तथाकथित राजनीति से प्रेरित फिल्में नहीं बनाते हैं। जियो सिनेमा ने कहा कि हम कंगना के साथ काम नहीं करते, क्योंकि, वह बीजेपी का समर्थन करती हैं और जी विलय के दौर से गुजर रहा है। मेरे पास क्या ऑप्शन हैं? वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी, जिसमें वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं।

फिल्म 'पगली दिवानी' की शूटिंग पूरी

मुंबई/वार्ता

गोटर फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म पगली दिवानी की शूटिंग पूरी हो गयी है। फ़िल्म पगली दिवानी की पूरी शूटिंग झारखंड की राजधानी राँची और इसके आसपास के लोकेशन पर की गई है । फिल्म पगली दिवानी के लेखक शैलेन्द्र साल्वे हैं, वहीं निर्देशक लखिन्द्र साव (लक्की), एसोसिएट डायरेक्टर नीरज टी वर्मा हैं। फ़िल्म पगली दिवानी के गीत शंकर सैदपुरी ने लिखे हैं,जिसे संगीत से अमजद बगद्वा ने सजाया है। फ़िल्म में गाये गए गीतों को अपनी सुरों से प्रियंका सिंह, आयुष आनन्द, खुशबू जैन,आ अल्का झा, अरविंद ओझा, सुरेश आनन्द, और अमजद बगद्वा ने सजाया है। फ़िल्म पगली दिवानी के कोरियोग्राफर शैलेश जी

कोली , फ़िल्म के सिनेमेटोग्राफर पप्पू के शेट्टी हैं। मारधाड़ राहुल जायसवाल एवं गब्बर यादव का है। फ़िल्म पगली दिवानी में कमल कांत, नीलम नीलू, राकेश साउ, शालू सिंह, दिनेश सहदेव, कुमकुम गौड़, गोपाल चौहान, राधे यदुवंशी, और सौम्या पाण्डेय हैं।

आज के बच्चे भी भगवान हनुमान के प्रशंसक हैं : शरद केलकर

मुंबई/एजेन्सी

'रावण' में अपनी आवाज देने वाले अभिनेता शरद केलकर ने 'द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 3' से पहले अपनी बेटी के साथ भगवान हनुमान की यादों के बारे में खुलासा किया है। उसी के बारे में बात करते हुए, शरद ने कहा: यह आश्चर्यजनक है कि आज के बच्चे भी भगवान हनुमान के प्रशंसक हैं। हम सभी हैं! और मैं कहता हूं, एक 40 वर्षीय व्यक्ति के रूप में, मैं भी भगवान हनुमान का प्रशंसक हूं। वह आपको देता है आपको जो करना चाहिए

उसे करने की शक्ति। आप मंदिरों में जाते हैं और जब भी आपको उस शक्ति की आवश्यकता होती है, तो आप जय बजरंग बली कहते हैं।'

उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे पिता-बेटी की जोड़ी एक लड़ाई का मजाक उड़ाती है और भगवान हनुमान का नाम लेती है। आज तक, जब मेरी अपनी बेटी के साथ नकली लड़ाई होती है, तो मैं जय बजरंग बली कहता हूं और वह जानती है कि बजरंग बली हमें शक्ति देंगे। इसलिए, दर्शकों के रूप में, मैं कहूंगा, मैं भगवान हनुमान को सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त करते हुए देखना चाहता हूं। ऐसा इसलिए क्योंकि वह हर किसी का पसंदीदा है। 'द लीजेंड ऑफ हनुमान' सीजन 3 12 जनवरी से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

उद्घाटन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को कोलकाता के आउट्राम घाट ट्रांजिट प्वाइंट पर 'गंगा सागर मेले' के उद्घाटन के दौरान।

फिल्म 'देहाती लड़के' के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

कुशा कपिला, शाइन पांडे, राघव शर्मा-स्टारर 'देहाती लड़के' के निर्माताओं ने मंगलवार को सीजन-2 का ट्रेलर लॉन्च किया। यह प्यार, ईर्ष्या, आकांक्षाओं और गुस्से से भरी भावनाओं से भरपूर है। पहले सीजन ने दिल छू लेने वाले पुराने पलों, रोमांस, ड्रामा और मनोरंजन से दर्शकों के दिलों में जगह बनायी। सीजन-1 के बाद, दूसरे सीजन में रजत के जीवन का और पता लगाएगा क्योंकि उनका किरदार दोस्ती, प्यार और अपने सपनों को पूरा करने के अलग-अलग स्टेज के माध्यम से शहरी जीवन में रहता है। पहले सीजन में रजत, उसके दोस्तों और उसकी गर्लफ्रेंड प्रेरणा के बीच एक मजबूत बंधन को दर्शाया गया है, सीजन-2 में वह खुद को एक्सप्लोर करेगा। इसमें वह अपने माता-पिता और अपने मेंटर प्रशांत और छाया सहित उन सभी को खो देता है, जिनसे उसने कभी प्यार किया था।

यात्रा के इस रोलरकोस्टर में दिखाया जाएगा कि कैसे रजत के जीवन में उतार-चढ़ाव आते है। नए सीजन के बारे में बात करते हुए, कुशा ने शेयर किया, देहाती लड़के भावनाओं के संपूर्ण मिश्रण के साथ एक अद्भुत यात्रा रही है और इसके दूसरे सीजन के साथ वापस आना, एक सुखद एहसास है। नया सीजन नई सीख और दिल को छू लेने वाले पलों से कहीं ज्यादा मजेदार और ड्रामा से भरपूर है।''

उन्होंने कहा, मुझे ऐसे प्रभावशाली प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है, जो हमें सिखाता है, हमारा मनोरंजन करता है और रजत के नजरिए से हमें एक संतुष्टि देता है। इस सीजन में दर्शकों को छाया का और भी दिलचस्प पक्ष देखने को मिलेगा। शाइन ने कहा, उस प्रोजेक्ट के नए एडिशन को वापस लाने की खुशी को कोई मात नहीं दे सकता, जो आपके दिल के बहुत करीब है। रजत द्वारा अपने किरदार की विभिन्न परतों को उजागर करते हुए, अपने रिश्तों में नई गतिशीलता के साथ वापस आना एक ख़ुशी की बात है।

उन्होंने कहा, ''यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने सपने को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित रखते हुए नई भावनाओं, दोस्ती और प्यार में मतभेदों से कैसे निपटता है। मैं उम्मीद करता हूं कि दर्शक इस सीजन को भी उतना प्यार देंगे, जिनता उन्होंने सीजन 1 को दिया था।'' शो में तनिष नीरज, सौम्या जैन और आसिफ खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह 12 जनवरी से अमेजन मिनीटीवी पर स्ट्रीम होगा।

फिल्मकार राकेश रोशन समेत कई अन्य से ठगी करने वाले व्यक्ति को सुनाई गई तीन वर्ष कैद की सजा

मुंबई/भाषा

यहां की एक विशेष अदालत ने खुद को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बताकर फिल्मकार राकेश रोशन समेत कई लोगों को ठगने के आरोपी एक दिव्यांग व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए तीन साल जेल की सजा सुनाई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश वी. पी. देसाई ने आरोपी अश्विनी कुमार शर्मा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया है। विशेष लोक अभियोजक संदीप सिंह ने बताया कि शर्मा अपनी दिव्यांगता के कारण व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने में असमर्थ था। वह फैसला सुनाने के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित हुआ।

बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को आरोपी को विशेष न्यायाधीश के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश होने की अनुमति दी थी। वर्तमान में हरियाणा के पानीपत जिले में अपने परिवार के साथ रह रहे शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश होने की अनुमति मांगी थी। उसने एक शपथ पत्र देकर कहा था कि वह बाद में इस आधार पर फैसले को अवैध नहीं बताएगा कि इस दौरान अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं था।

उसने दावा किया था कि एक दुर्घटना के बाद वह 80 प्रतिशत दिव्यांग हो गया और व्यक्तिगत रूप से अदालत के सामने पेश नहीं हो पाएगा। इस मामले में एक अन्य आरोपी राजेश राजन को पहले ही 2022 में दोषी ठहराया जा चुका है। शर्मा और राजेश को राकेश रोशन जैसी फिल्मी हस्तियों और व्यवसायियों समेत 200 से अधिक लोगों को धोखा देने के आरोप में 2011 में गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी के मुताबिक, आरोपियों ने 2006 से खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर लोगों को ठगा है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहिंसा धर्म परमात्मा का धर्म है। जहां पर अहिंसा है, वहां पर अमृत है, जहां पर हिंसा है वहां पर विष है, जहां पर अहिंसा की प्राण-प्रतिष्ठा होती है वहां का वातावरण भय मुक्त हो जाता है। परमात्मा में परमाणुओं का दिव्य प्रभाव हुआ करता है, बकरी और शेर भी एक साथ बैठकर निर्भय होकर परमात्मा की वाणी को श्रवण करते थे। जहां पर अहिंसा, करुणा और मानवता की भावना होती है वहां पर उनका जीवन धन्य हो जाता है। अहिंसा की प्रतिमूर्ति थी साध्वीश्री यंशकवरजी।

पवित्र अक्षत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के विभिन्न क्षेत्रों में आरएसएस के कार्यकर्ता नवलकिशोर टिबरेवाल, सुनील जैन सहित विभिन्न कार्यकताओं ने घर घर जाकर लोगों को राम प्रतिष्ठा महोत्सव के आमंत्रण स्वरुप पवित्र अक्षत का वितरण किया। घर में सभी कार्यकर्ताओं का बहुत ही आत्मियता से स्वागत किया तथा श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे।

मुदलियार एथलेटिक्स टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

वैष्णव कॉलेज बना था ओवरआल विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 55 वीं एएल मुदलियार एथलेटिक्स टूर्नामेंट में डीडीजीडी वैष्णव कॉलेज(स्वायत्तशासी) द्वारा इतिहास रचा गया। वैष्णव कॉलेज ने कुल 10 स्वर्ण पदक, 10 रजत पदक, और 4 कांस्य पदक के साथ 24 पदक अपने नाम कर एक रिकार्ड कायम किया था। 9 जनवरी को कॉलेज प्रांगण में एक समारोह में सभी विजेता खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को नगद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने सभी का स्वागत किया। सचिव डॉ अशोक कुमार मूँदड़ा ने सभी खिलाड़ियों को प्रबंध समिति की ओर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने एमओपी वैष्णव कॉलेज की पूर्व प्राचार्य डॉ ललिता बलकृष्णन और खेल निदेशक डॉ अमुदा को भी इस जीत का श्रेय दिया।

कॉलेज के पूर्व सचिव पी हरिदास ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खेल विकास प्राधिकरण तमिलनाडु के सदस्य सचिव जे मेघनाथ रेड्डी ने खेलो इंडिया और अन्य खेलों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कॉलेज के कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया, हितेश कनोडिया, वैष्णव कॉलेज की पूर्व प्राचार्य डॉ ललिता बालकृष्णन, खेल निदेशक डॉ अमुदा और वर्तमान प्राचार्या डॉ अर्चना प्रसाद, खेल संयोजक प्रो जेपी जयदीप और खेल निदेशक कार्तिकेयन उपस्थित थे। शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ. ई. वसंतकुमार ने धन्यवाद दिया।

आचार्य तीर्थभद्रसूरीश्वरजी का किलपॉक जैन संघ में हुआ पदार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'शून्य में से सृजन करना बहुत कठिन है। शून्य से सृजन करने का मतलब है स्वयं शून्य बन जाना। शून्य बन जाना यानी हकीकत में मैं कुछ नहीं हूं और इस जगत में मेरा कुछ भी नहीं है, जो भी है, वह देव- गुरु की कृपा से है, ऐसी समर्पण भावना। इस बात को हमें स्वीकार करना चाहिए और यदि ऐसा कर सके तो ही शून्य बन सकते हैं।' यह विचार आचार्यश्री तीर्थभद्रसूरीश्वरजी ने किलपॉक जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ में आगमन पर मंगलवार धर्मसभा में कही। उन्होंने संप्रति महाराजा का दृष्टांत देते हुए कहा कि संप्रति महाराजा को जाति स्मरण ज्ञान से जब पूर्वभव के बारे में पता चला तो उन्होंने सब कुछ जिनशासन को समर्पित कर दिया। संप्रति महाराजा ने अपने जीवनकाल में सवा लाख जिन मंदिरों और सवा करोड़ प्रतिमाओं का निर्माण करवाया। उन्होंने कहा कि इस संसार में अकेला आया हूं और अकेला ही जाना है, यदि यह बात हृदय से भावित बनेगी, तभी पूर्ण समर्पण हो पाएगा। शास्त्रकार कहते हैं सब पापों का मूल परिग्रह है। जहां तक परिग्रह का ममत्व है, वहां तक जीवन में शांति नहीं मिलेगी। शांति चाहिए तो परिग्रह का ममत्व भाव कम कर दो।

पींचा परिवार के गृहांगन में किए पगलिए

आचार्यश्री ने किलपॉक के मनोमणि अम्मल स्ट्रीट स्थित लाइफस्टाइल परम प्रतिष्ठा एवं पांच मुमुक्षुओं की दीक्षा के संपूर्ण लाभार्थी विजयसिंह पींचा के गृहांगन में पगलिए किए। पींचा परिवार के सदस्यों ने आचार्यश्री की भावभीनी अगवानी की। कार्यक्रम में आचार्यश्री का कांबली अर्पण कर सम्मान किया गया। ।

आचार्यश्री ने 18 से 26 जनवरी तक होने वाले प्रतिष्ठा एवं दीक्षा महोत्सव से सबको जुड़ने का आव्हान किया। विजयसिंह पींचा ने कहा कि मन में जो भावना जगी थी, उसके स्वरूप आचार्यश्री ने विजयवाड़ा चातुर्मास में जिनालय प्रतिष्ठा का मुहूर्त प्रदान करने की महत्ती कृपा की।

मुनि तीर्थवल्लभ विजयजी ने कहा कि एक मंदिर ऐसा है, जिसमें एक पैसा खर्च नहीं होता। इस मंदिर का निर्माण सरल है और हरेक व्यक्ति यह मंदिर बना सकता है, वह है हृदय का मंदिर। उन्होंने कहा यह भी एक सृजन है। पत्थर शिल्पी के हाथ में आता है तो मूर्ति बन जाती है, यदि बीज को अच्छा माली मिल जाता है तो वृक्ष का निर्माण होता है। आत्मा भी एक वास्तविकता है और परमात्मा एक संभावना है। सृजन करने के लिए समर्पितता जरूरी है। हमारा मन, हृदय किसके हाथ में है, यह महत्वपूर्ण है। हम भी यदि परमात्मा के प्रति समर्पित हो जाएं तो माली, शिल्पी रुपी परमात्मा उसे संभाल लेंगे। समर्पण का शिखर ही परमात्मा का निर्माण है।

गाजा में वेब सीरीज 'फौदा' का अभिनेता इदान अमेदी गंभीर रूप से घायल

यरुशलम/भाषा। इजराइल के अभिनेता और गायक इदान अमेदी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के 'रिजर्व' सैनिक के रूप में लड़ते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। अमेदी को ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'फौदा' में अभिनय के लिए जाना जाता है। इजराइली राजनयिक एविया लेवी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अमेदी के घायल होने की सूचना दी। उन्होंने लिखा,'' 'फौदा' के अभिनेताओं में से एक, इदान अमेदी गाजा में लड़ते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। हम आपके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करते हैं। समाचार पत्र टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, 35 वर्षीय अमेदी आईडीएफ के लिए 'रिजर्व' सैनिक के रूप में जंग में लड़ रहे थे। उन्हें सोमवार को हवाई मार्ग से अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज किया गया। इजराइली समाचार संस्थान को उनके पिता ने बताया कि उनका बेटा अब खतरे से बाहर है।

कश्मीरा शाह को मिली पीएचडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास विश्वविद्यालय के जैनविद्या विभाग की शोधार्थी कश्मीरा केतन शाह का मंगलवार को पीएचडी(विद्या वाचस्पति) की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. कश्मीरा ने आत्मा की 47 शक्तियों के विशेष संदर्भ में आत्मा की शक्तियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियदर्शना जैन के मार्गदर्शन में शोधकार्य किया। विश्वविद्यालय में आयोजित मौखिकी कार्यक्रम में रामकृष्ण मिशन विवेकानंद महाविद्यालय के डॉ. ई. आनंद विजय सारथी बतौर परीक्षक उपस्थित हुए। यह जानकारी डॉ. दिलीप धींग ने दी।

प्रवीण टाटिया अध्यक्ष चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा संचालित राजस्थानी एजुकेशनल फाउंडेशन एवं महावीर राजस्थानी इंटरनेशनल स्कूल के हाल ही आयोजित गवर्निंग काउंसिल बैठक में वर्ष 2023-24 तीन साल के लिए नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। प्रवीण टाटिया अध्यक्ष, नरेंद्र श्रीश्रीमाल एवं शांतिलाल एस जैन उपाध्यक्ष, एम.गौतमचंद बोहरा सचिव, अनिल खींचा एवं दिलीप चंदन सहसचिव, मनीष मरडिया कोषाध्यक्ष एवं गौतम नाहर सहकोषाध्यक्ष मनोनीत किए गए। इसके अलावा 44 सदस्यों की गवर्निंग काउंसिल का भी चयन किया गया। अध्यक्ष शिवकुमार गोयन्का ने स्वागत भाषण दिया। सचिव प्रवीण टाटिया ने गतिविधियों का विवरण दिया।

श्रीराम मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 'रजत' आयोजित करेगी भजन संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अयोध्या धाम में श्रीराम मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु 'रजत' द्वारा 'एक शाम प्रभु श्रीराम' के नाम भजन संध्या का आयोजन 17 जनवरी को शाम 5 बजे से साहुकारपेट स्थित कोतवालचावडी में स्थित कनक परमेश्वरी आर्ट्स व साइंस कॉलेज में होगा। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अध्यक्ष मोहनलाल बजाज की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। भक्ति संध्या चेयरमैन हंसराज पुरोहित व सह चेयरमैन जीतू लोहार ने बताया कि भजन संध्या में राजस्थान के लोकप्रिय भजन सम्राट प्रकाश माली एण्ड पार्टी बालोतरा भजनों के प्रस्तुति देंगे। चयनीत अध्यक्ष प्रवीण टाटिया, महासचिव देवराज आच्छा, सहसचिव अजय नाहर आदि ने अपने सुझाव दिये। बैठक में महेंद्र कुंकुलोल, मालाराम प्रजापत, गोकुल सुथार, पारस प्रजापत, नरपतसिंह राजपुरोहित आदि सदस्य उपस्थित रहे। सहसचिव ज्ञानचंद कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया ।

अरब सागर में जहाज की तैनाती हुती विद्रोहियों के खिलाफ किसी की मदद करना नहीं: पाकिस्तानी नौसेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तानी नौसेना ने कहा है कि अरब सागर में युद्धपोत तैनात करने का पाकिस्तान का फैसला अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपनी समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के लिए है, न कि यमन के हुती विद्रोहियों के खिलाफ किसी खास देश की मदद करने के लिए।

संबंधित कदम के बारे में पाकिस्तानी नौसेना के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि जहाजों की तैनाती का उद्देश्य यमन के हुती विद्राहियों के खिलाफ किसी देश की मदद करना नहीं है।

यमन के हुती विद्रोहियों ने गाजा में फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए अदन की खाड़ी और अरब सागर में वाणिज्यिक जहाजों के अपहरण और अपहरण के प्रयासों की जिम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी नौसेना का रुख भी सरकार जैसा ही है कि वह युद्धग्रस्त गाजा में फलस्तीनियों का समर्थन करती है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के व्यापार मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जहाज लगातार अरब सागर में गश्त कर रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्यिक मार्गों की निरंतर हवाई निगरानी भी की जा रही है। अपहरण संबंधी संकट की सूचना मिलने के बाद अरब सागर में भारतीय नौसेना द्वारा एक व्यापारिक जहाज से चालक दल के 21 सदस्यों को बचाए जाने के बाद पाकिस्तानी नौसेना ने रविवार को अपने जहाजों को तैनात करने का फैसला किया।

तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ एकलठाणा तप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के तेरापंथ भवन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार आचार्यश्री महाश्रमणजी के दीक्षा कल्याण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रृंखलाबद्ध एकलठाणा तप की भेंट के अंतर्गत कोयंबटूर तेरापंथ महिला मंडल ने इस तप यज्ञ का आयोजन किया। एकलठाणा इसमें आहार ग्रहण करने की अवधि एक मुहूर्त यानी 48 मिनट से अधिक नहीं हो सकती है। एकलठाणा में एक स्थान पर बैठकर एक आसन में खाद्य पदार्थ एक बार में ही थाली में लेकर मौनपूर्वक आहार किया जाता है। इस कार्यक्रम में स्थानीय अध्यक्ष मंजू सेठिया ने सभी तपस्वियों का स्वागत किया। उपासिका ललिता बरलोटा व सुशीला बाफना ने 87 सदस्याओं को एकलठाणा तप करवाया।

सीरवी समाज बैडमिंटन टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ तमिलनाडु के तत्वाधान में सीरवी बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सीरवी समाज प्रांतीय तमिलनाडु महासभा के अध्यक्ष आरबी चौधरी ने बैडमिंटन टूर्नामेंट की शुरूआत की। पुरुष युगल में पहले स्थान पर विजेता भरत कुमार चौधरी और निर्मल कुमार रहे। वही दूसरे स्थान पर विजेता सुनील सोलंकी और दीपक तीसरा स्थान दिलीप कुमार और सुरेश रहे। इसके अलावा विभिन्न आयुवर्ग में भी विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के साधुमार्गी जैन संघ द्वारा संघ महामंत्री सुशीलकुमार नंदावत को समता भवन निर्माण में तन-मन-धन एवं विशेष संघ समर्पण के लिए 'संघ गौरव अलंकरण' से सम्मानित किया गया। समता भवन परिसर आयोजित सम्मान समारोह में संघ के अध्यक्ष सुरेशकुमार दक, उपाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, राजेन्द्रकुमार भंसाली, सहमंत्री राकेश श्रीमाल, अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल पोरवाड़ आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भगवान चंद्रप्रभ और चेन्नई के अनूठे संदर्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पौष कृष्ण द्वादशी और त्रयोदशी को जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभ (चंदप्पहं) के जन्म और दीक्षा कल्याणक होते हैं, जो इस बार 8-9 जनवरी, 2024 सोमवार मंगलवार को हैं। नाम के अनुरूप चन्द्रमा लांछनयुक्त भगवान चन्द्रप्रभ को चंद्रप्रभु और चंदाप्रभु भी बोला व लिखा जाता है। चेन्नई और भगवान चन्द्रप्रभु से जुड़े अनेक ऐतिहासिक संदर्भ हैं, जो बड़े रोचक हैं।

चेन्नई के पुराने नगरीय क्षेत्र में श्वेताम्बर जैन मंदिरों की शृंखला में चूलै स्थित श्री जैन श्वेतांबर चन्द्रप्रभ जिनालय सबसे पहला मंदिर है। सेठ कालूराम रतनलाल मालू परिवार ने लगभग 130 वर्ष पूर्व इसे बनवाया था। इस जिनालय की प्रतिष्ठा उपाध्याय नेमीचंद्र मुनि की निश्रा में सन् 1895 में हुई थी।

इसी प्रकार साहुकारपेट क्षेत्र के जिनालयों में सबसे पुराना मंदिर भी चंदाप्रभु भगवान का ही है, जो चंदाप्रभु जूना मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। जूना' शब्द राजस्थानी और गुजराती भाषा का है, जिसका अर्थ होता है पुराना। चेन्नई के तत्कालीन नगरीय क्षेत्र में मिंट स्ट्रीट स्थित यह मंदिर दूसरा सबसे पुराना श्वेतांबर जैन मंदिर है, जो लगभग 110 वर्ष पुराना है। इसमें प्रतिष्ठित चन्द्रप्रभु की प्रतिमा लगभग 300 वर्ष पुरानी मानी जाती है।

जब साहुकारपेट में मिंट स्ट्रीट में ही 1994 में एक और चन्द्रप्रभु भगवान को समर्पित मंदिर बना, तो स्वाभाविक तौर पर उसे चंदाप्रभु नया मंदिर' नाम दिया गया। श्वेत संगमरमर से निर्मित तीन मंजिल के इस मंदिर के स्थापत्य की तुलना राजस्थान के विश्व विख्यात देलवाड़ा जैन मंदिर से की जा सकती है।

दिगम्बर जैन मंदिरों में भी यहाँ पुराना मंदिर चंदाप्रभु का ही है, जो सेवन वेल्स (सात बावड़ी) क्षेत्र में सुब्रह्मण्यम स्ट्रीट में है। सौ वर्ष पूर्व 1924 में वह चैत्यालय (लघु मंदिर) के रूप में था, जिसे 1931 में जिनालय का रूप दे दिया गया था। इसी प्रकार साहुकारपेट में ही चन्द्रप्पा मुदली स्ट्रीट में भी चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर है।

चेन्नई के मिंजुर क्षेत्र में भगवान चन्द्रप्रभ के नाम से एक महाविद्यालय है, जो यहाँ किसी तीर्थंकर के नाम से एकमात्र कॉलेज है। माधावरम में चन्द्रप्रभ कॉलोनी है तो साहुकारपेट में चन्द्रपुरी नाम से यात्री निवास भी है। चेन्नई में भगवान चन्द्रप्रभ के नाम से सेवा और साधना की अनेक गतिविधियाँ संचालित हैं। ये सब आस्था व कला के साथ शिक्षा, सेवा, सहयोग और सद्भाव का उजास फैला रही हैं।

– डॉ. दिलीप धींग

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.